सुविचार

जिंदगी में सच के साथ हमेशा चलते रहिए तो वक्त आपके साथ अपने आप चलने लगेगा !

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा
।। दशकों पुराना साथ।।
निष्पक्ष कलम निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 17 अंक: 265 पेज: 8 मूल्य 01 रु. जयपुर, मंगलवार 18 अप्रैल, 2023 Email: garibonkasitara@gmail.com

पायलट बोले : मैं विरोध करता हूं तो धुआं निकाल देता हूं

अनशन के बाद भी कार्रवाई नहीं की वादे पूरे नहीं हुए, किस मुंह से वोट मांगेंगे

सितारा न्यूज नेटवर्क

खेतड़ी। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सोमवार को एक बार फिर सीएम अशोक गहलोत और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे पर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि जनता से किए गए वादे आज तक पूरे नहीं हुए हैं, ऐसे में चुनाव के वक्त किस मुंह से वोट मांगने जाएंगे। सचिन सोमवार को झुंझुनूं जिले के खेतड़ी में टीबा गांव में शहीद की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद हुई सभा में बोल रहे थे। पायलट ने कहा कि मैं विरोध करता हूं तो ऐसा करता हूं कि धुआं निकाल देता हूं, लेकिन भाषा पर कभी संयम नहीं खोया। मुंह से जो शब्द निकल गया वह वापस नहीं आता। मैंने हमेशा वैचारिक, राजनीतिक, प्रशासनिक विरोध किया तो सड़कों पर उतरे, धरने दिए, जेल गए, अनशन किए, लेकिन कभी गलत शब्दों का प्रयोग नहीं किया। वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री रहीं, मेरे से बड़ी हैं, लेकिन राजनीतिक टकराव होता था तो बराबर का होता था उन्हें हराकर आते थे, लेकिन अपशब्दों का प्रयोग करना, ओछी भाषा का इस्तेमाल करना यह मैंने न कभी किया है और न आगे करने वाला हूं। पायलट ने कहा कि मैंने अपने भाषणों में कभी मयार्दा को लांघा नहीं। मैं कभी इधर-उधर नहीं होता। क्योंकि मेरे संस्कार ही बचपन से हैं कि बड़ों का आदर कीजिए, उन्हें मान-सम्मान दीजिए। मैंने हमेशा बड़ों का आदर किया है। मुद्दों, सिद्धांतों और जुबान से किए वादों को लेकर न पहले समझौता किया है और न आगे करेंगे।

वीरांगना मामले को लेकर साधा निशाना

पायलट ने कहा कि किसान और जवान की बदौलत ही खेतड़ी (झुंझुनूं) का नाम पूरे हिंदुस्तान में है। शहीद श्योराम गुर्जर ने पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड कामरान गाजी को ढेर किया। देश के लिए बहुत बहादुरी का काम किया। इसके बावजूद वीरांगना को आज तक सरकारी नौकरी नहीं दी गई। सरकारी नौकरी को लेकर वीरांगना को चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह बड़े दुख की बात है। देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले लोगों के लिए नियम कायदे बदलने भी पड़े तो सरकार को बदलना चाहिए। सभा में पायलट के साथ मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, सीएम सलाहकार डॉ जितेंद्र सिंह समेत कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे। सभा में पायलट के साथ मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, सीएम सलाहकार डॉ जितेंद्र सिंह समेत कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे।

सबसे पहले कांग्रेस के लिए वोट मांगने खड़ा होता हूं

पायलट ने कहा- लोग हमारी जुबान पर विश्वास करते हैं और वोट देते हैं। उत्तर भारत में जहां-जहां बीजेपी की सरकार है, सबसे पहले कांग्रेस के लिए वोट मांगने खड़ा होता हूं। पिछले 25 साल में जो पार्टी ने जिम्मेदारी दी उसे निभाया।

अनशन को एक सप्ताह हो गया, कोई कार्रवाई नहीं हुई

जो बातें मैंने उठाई, लिखित में उठाई। कुछ दिन पहले अनशन किया, किस बात को लेकर किया, हम लोगों ने चुनावों में वादे किए थे। हम भ्रष्टाचार के साथ कोई समझौता नहीं कर नहीं सकते। इस प्रदेश का नौजवान स्वच्छ राजनीति चाहता है। बीजेपी राज के करप्शन की जांच हो इस मांग को लेकर मैंने एक दिन का अनशन किया। मैंने किसी का विरोध नहीं किया। मैंने शालीनता से मांग की। एक सप्ताह हो गया, कोई कार्रवाई हुई नहीं। सचिन ने कहा कि बीजेपी राज के करप्शन पर जो कार्रवाई होनी चाहिए थी, वह हुई नहीं। जो प्रदेश के लोगों की जेब पर डाका डालेगा, उसकी जांच करो और जेल भेजो हम सब उसका स्वागत करते हैं। जिनके खिलाफ भाषण देकर और कार्रवाई का आश्वासन कर-के वोट लिया था, हमें वो वादा भी पूरा करना पड़ेगा।

कार-ट्रक की भिड़ंत में मां-बेटे समेत 4 की मौत

कैलादेवी के दर्शन करने जा रहे थे महिलाएं-बच्चे, 4 गंभीर

सितारा न्यूज नेटवर्क

धौलपुर। धौलपुर-करौली हाईवे पर कार और ट्रक की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव को अस्पताल की मॉच्युर्री में रखवाया है। बाड़ी से धौलपुर लौट रहे एसपी मनोज कुमार मौके पर रुके और एंबुलेंस को बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी सुरेश सांखला भी अस्पताल पहुंचे। कार में ड्राइवर के अलावा 2 अलग-अलग परिवारों के महिलाएं और बच्चे थे। सीओ सिटी ने बताया कि मधुनगर कॉलोनी, आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले 8 लोग रविवार रात कार से कैला देवी दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे-11बी पर सामने से आए ट्रक से कार की टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को गाड़ी से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन 4 लोगों की मौत हो चुकी थी। घायलों की हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कार ड्राइवर गुड्डू चौहान (40), विमला शर्मा (70) पत्नी संतराम, सुमन (38) पत्नी रंजीत खटीक और सुमन के बेटे अंशु (8) के रूप में हुई है। नंदिनी शर्मा (38) पत्नी यशपाल शर्मा, आरिया (11) पुत्री यशपाल, कनिका (14) पुत्री यशपाल और यशपाल के छोटे भाई विक्रम का बेटा आयुष (9) हादसे में घायल हुए हैं। घायल नंदिनी ने बताया कि वह आगरा में कपड़ों की दुकान करती हैं। रविवार को दुकान बंद कर अपनी सास विमला और दुकान पर काम करने वाली सुमन के साथ कैला देवी दर्शन करने जा रहे थे।

140 करोड़ में बना राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर:जयपुर में रेस्टोरेंट, लाइब्रेरी और 240 कारों की क्षमता वाली पार्किंग, 10 साल में बना

जयपुर। जयपुर में ओटीएस के पास झालाना एरिया में बने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) का सोमवार शाम 7 बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोकार्पण किया। गहलोत ने राजस्थान को देश का नंबर वन राज्य बनाने का अपना विजन घोषित किया। सीएम ने कहा- हर किसी को अपना विजन लेकर चलना चाहिए और मैं मुख्यमंत्री रहूं या न रहूं, मेरा विजन है कि मैं 2030 तक राज्य को नंबर एक पर लेकर जाऊं। गहलोत ने आरआईसी के उदघाटन मौके पर कहा कि एक समय था जब में अंग्रेजी का विरोधी था, लेकिन आज के आधुनिक युग में ये कितना जरूरी है ये अब पता चल रहा है। यही कारण है कि आज पूरे राज्य में इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल रहे है। हमारी सरकार ने प्रदेश के 200 से ज्यादा बच्चों को विदेश में फ्री स्टडी की भी स्कीम इसी विजन के साथ जारी रखी है।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट की लॉन्चिंग टली

39 सेकेंड पहले रोका लॉन्च; स्टारशिप के प्रेशर वाल्व में समस्या, रीसेट होने में लगेंगे 48 घंटे

सितारा न्यूज नेटवर्क

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे पावरफुल लॉन्च व्हीकल स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट टल गया है। प्रेशर वाल्व के फ्रीज होने के कारण लॉन्च को 39 सेकेंड पहले रोक दिया गया। सोमवार शाम करीब 6 बजकर 50 मिनट पर स्टारशिप को लॉन्च होना था। अब रॉकेट को रीसेट करने में कम से कम 48 घंटे लगेंगे। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। लॉन्च टलने के बाद एलन मस्क ने ट्वीट किया- 'ऐसा लगता है कि एक प्रेशर वाल्व जम गया है, इसलिए जब तक यह काम करना शुरू नहीं करता, लॉन्च नहीं किया जा सकता।' आज बहुत कुछ सीखा। अब प्रोपेलेंट को ऑफलोड कर रहे हैं। कुछ दिनों में फिर प्रयास करेंगे...' ये लॉन्चिंग इसलिए अहम थी क्योंकि ये स्पेसशिप ही

इंसानों को इंटरप्लेनेटरी बनाएगा। यानी इसकी मदद से पहली बार कोई इंसान पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे प्लेनेट पर कदम रखेगा। मस्क साल 2029 तक इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाकर वहां कॉलोनी बसाना चाहते हैं। स्पेसशिप इंसानों को दुनिया के किसी भी कोने में एक घंटे से कम समय में पहुंचाने में भी सक्षम होगा। यहां कई लोगों के मन में सवाल होगा कि आखिर हमें पृथ्वी से 23 करोड़ किलोमीटर दूर मंगल ग्रह पर कॉलोनी बसाने की क्या जरूरत है? वहीं कुछ का सवाल ये भी होगा कि इतनी दूर जाने में कितना समय लगेगा, इसकी प्रोसेस क्या होगी? इंसान कैसे इस रेड प्लेनेट से वापस आएंगे? स्टारशिप की टेक्नोलॉजी क्या है। स्टारशिप क्या-क्या कर सकती है? तो चलिए एक-एक कर जानते हैं इन सवालों के जवाब... स्पेसएक्स के स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। ये एक रियूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है। इसमें एडवांस्ड रेप्टर इंजनों का इस्तेमाल किया गया है। स्टारशिप को स्पेसएक्स के साउथ टेक्सास में स्टारबेस फैसिलिटी से लॉन्च किया जाएगा।

पुणे में होर्डिंग गिरने से छह लोगों की मौत:2 लोग घायल, आंधी-बारिश के चलते हादसा हुआ

सितारा न्यूज नेटवर्क

पुणे। पुणे में आंधी-बारिश से बचने के लिए कुछ लोग एक दुकान के पास खड़े थे। दुकान के पास ही लोहे का एक होर्डिंग लगा था। आंधी के चलते होर्डिंग दुकान पर गिर गया। पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ शहर के रावत किवले इलाके में सोमवार को लोहे का होर्डिंग गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल हुए हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में चार महिलाएं हैं। घटना शाम 6:30 बजे की बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू कर दिया। दरअसल, रावत किवले इलाके में कात्रज देहू सर्विस रोड पर आंधी और बारिश से बचने के लिए कुछ लोग एक दुकान के पास खड़े थे। दुकान के पास ही लोहे का एक होर्डिंग लगा था। आंधी के चलते होर्डिंग दुकान पर गिर गया, जिससे 8 लोग होर्डिंग के नीचे दब गए।

पायलट मामले में रंधावा का कमलनाथ के दखल से इनकार

बोले- प्रभारी मैं हूं, मैं ही समाधान करूंगा कमलनाथ का लेटर हो तो दिखाइए

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। सचिन पायलट के अनशन मामले में उठे विवाद के समाधान का कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कमलनाथ के दखल से इनकार कर दिया है। साथ ही खुद समाधान करने का दावा किया है। रंधावा ने पायलट मामले के समाधान के लिए कमलनाथ के दखल के सवाल पर कहा- मैं प्रभारी हूं तो मैं ही समाधान करुंगा। कमलनाथ की मुझे कोई जानकारी नहीं है। कमलनाथ का कोई लेटर हो तो दिखाइए। कांग्रेस विधायकों से वन टू वन फीडबैक बैठकों के लिए जयपुर पहुंचे रंधावा ने दावा किया- पायलट मामले का उचित समाधान निकाला जाएगा। विधायकों से चुनावी पहलुओं को लेकर बात होगी। सभी एकजुटता से फील्ड में उतरें इसके लिए प्रभारी के तौर पर बात होगी। सचिन पायलट के 11 अप्रैल के अनशन को लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पहले कड़ा रुख अपनाया। बाद में सुर बदल गए। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट के अनशन को पार्टी विरोधी गतिविधि करार देते हुए 10 अप्रैल की रात को ही लिखित बयान जारी किया था।

31°

पूर्वानुमान>	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र
अधिकतम>	39°c	39°c	39°c	40°c
न्यूनतम>	24°c	23°c	24°c	23°c

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में शत प्रतिशत पंजीकरण किया जाए सुनिश्चित : अतिरिक्त जिला कलक्टर

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

जयपुर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) शंकर लाल सैनी ने कहा कि आगामी 24 अप्रैल से आयोजित होने वाले महंगाई राहत शिविरों में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत शत प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारी मंहगाई राहत शिविरों के सफल आयोजन के लिए अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं एवं प्रत्येक नागरिक को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना और मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आमजन तक इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को पीएम आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में संस्थागत प्रसव के साथ-साथ राजश्री योजना, पीसीपीएनडी कार्यक्रम, टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम, आरबीएसके कार्यक्रम, एएनसी सहित अन्य कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, द्वितीय डॉ. बी एल मीणा सहित चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक शर्मा की अनुशंषा पर विधायक कोष से 55 लाख रुपए की मिली स्वीकृति

आवारा पशुओं के लिए एबुलेंस क्रय करने के लिए 14 लाख सहित अन्य विकास कार्यों के लिए मिली स्वीकृति

चौमूँ (सुनील कुमार पाराशर)। विधायक स्थानीय निधि से विधायक रामलाल शर्मा की अनुशंषा पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जसमीत सिंह संधु के द्वारा 55 लाख रुपयों के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त आवारा पशुओं के लिए एंबुलेंस मय हाइड्रोलिंक सिस्टम क्रय करने हेतु 14 लाख, बुनकर मोहल्ला बावड़ी गोपीनाथ में सीसी सड़क निर्माण कार्य 5 लाख, डोला का बास में शंकर लाल वर्मा के मकान से जाटो के मोहल्ले तक सीसी सड़क निर्माण 5 लाख, किशनपूरा में बुनकर मोहल्ले में सामुदायिक भवन निर्माण 5 लाख, ग्राम नागल बगड़ी में पानी की टंकी निर्माण कार्य 22 लाख और आलीसर में पंचायत भवन के सामने में आबादी भूमि की चारदिवारी निर्माण हेतु 4 लाख रुपयों की स्वीकृति मिली है। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में आवारा पशुओं के लिये अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजी से लेस पशु एंबुलेंस सहित क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति मिली है।

पंचाग

दिनांकः-18अप्रैल 2023 मंगलवार
विक्रम संवत2080वैशाख कृष्ण पक्ष

तिथि	त्रयोदशी	13:26:49
पक्ष	कृष्ण	
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	25:00:05
योग	ऐन्द्र	18:07:51
करण	वणिज	13:26:49
करण	विष्टि भद्र	24:22:38
चन्द्र राशि	मीन	
सूर्य राशि	मेष	
दिशा शूल	उत्तर	
सूर्योदय(जयपुर)		06:01:45
सूर्यास्त		18:51:07
चंद्रोदय		29:24:32
चंद्रास्त		17:08:39
राहू काल		15:39-17:15
अभिजित		12:02-12:53

शुभ चोघडिया

चर	09:14-10:50	शुभ
लाभ	10:50-12:26	शुभ
अमृत	12:26-14:03	शुभ
शुभ	15:39-17:15	शुभ

विशेष जानकारीः-
पंचक प्रारम्भ
पितृकार्य अमावस्याः-कल

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

बिजारणिया की इफ्तार पार्टी में सैकड़ों रोजेदार शरीफ

पलसाना। रमजान के पाक महीने में रोजा रख रहे मुस्लिम भाइयों के लिए कस्बे के मस्जिद में सोमवार को इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। दावत में मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य रामनारायण चौधरी रहे। मगरिब की अजान के साथ मुस्लिम भाइयों ने दावत का रोजा खोला इसके बाद नमाज अदा कर देश की तरक्की व अमन चैन की दुआ मांगी। इस अवसर पर भरत राज ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुभाष सिंह बिजारणिया वार्ड पंच इब्राहिम खान इस्लाम पंच असलम खान सलमान अख्तर अब्दुल शेख इसुप सहित सैकड़ों रोजेदार उपस्थित थे।

दो जगह लगा रक्तदान शिविर, 114 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

सेवा और सहायता करने वाला व्यक्ति ही सच्चा समाजसेवी : श्रीसरजूदासजी महाराज

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। नागरिक अभिनन्दन व रक्तदान कर किराडू को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं कम्यूनिटी वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष कन्हैयालाल भाटी ने बताया कि संस्था संरक्षक राजकुमार किराडू के जन्मदिन पर दो स्थानों कोठारी मेडिकल एवं सुजानदेसर स्थित सामुदायिक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविर में 57-57 यूनिट कुल 114 यूनिट रक्तदान दिया। रक्तदाताओं पंजीयन व सर्टिफिकेट वितरण का कार्य मरुधरा ब्लड हैल्प लाइन द्वारा किया गया। रक्त संग्रहण का कार्य पीबीएम ब्लड बैंक, कोठारी मेडिकल व बीकाणा ब्लड सेंटर द्वारा किया गया। इससे पूर्व करीब 100 से अधिक संस्थाओं द्वारा राजकुमार किराडू का नागरिक अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन समारोह के शुभारंभ में रामझरोखा कैलाश धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्रीसरजूदासजी महाराज धर्माधिपति जुगलकिशोर ओझा पुजारी बाबा एवं माली समाज के वरिष्ठ समाजसेवी जेठमल भाटी ने कहा कि सेवा का अभिनन्दन करना हमारा कर्तव्य है। इससे सेवा करने वाले समाजसेवी का उत्साहवर्धन होता है। पं. जुगलकिशोर ओझा पुजारी बाबा ने अपने सम्बोधन में कहा कि किराडू ने अपना पूरा जीवन सेवा को समर्पित किया है। खासतौर पर मजदूर वर्ग को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करवाने में किराडू की महत्ती भागीदारी है। इस दौरान विभिन्न समाजों के गणमान्यजन काफी संख्या में उपस्थित रहे।

बिजारणिया की इफ्तार पार्टी में सैकड़ों रोजेदार शरीफ

पलसाना। रमजान के पाक महीने में रोजा रख रहे मुस्लिम भाइयों के लिए कस्बे के मस्जिद में सोमवार को इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। दावत में मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य रामनारायण चौधरी रहे। मगरिब की अजान के साथ मुस्लिम भाइयों ने दावत का रोजा खोला इसके बाद नमाज अदा कर देश की तरक्की व अमन चैन की दुआ मांगी। इस अवसर पर भरत राज ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुभाष सिंह बिजारणिया वार्ड पंच इब्राहिम खान इस्लाम पंच असलम खान सलमान अख्तर अब्दुल शेख इसुप सहित सैकड़ों रोजेदार उपस्थित थे।

स्वायत्त शासन मंत्री ने किया चम्बल रिवरफ्रंट का निरीक्षण देश दुनियां में विश्व स्तरीय स्मारकों का आधुनिक पर्यटक स्थल बनेगा हैरिटेज रिवरफ्रंट : शासन मंत्री

जयपुर। स्वायत्त शासन मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि चम्बल नदी पर बना रिवरफ्रंट हैरिटेज होने के साथ विश्वस्तरीय स्थापत्यकला को अपने में समेटे हुए है। महज 3 साल में 6 किमी लम्बाई में बना यह रिवरफ्रंट विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में कोटा की पहचान बनेगा। स्वायत्त शासन मंत्री सोमवार को कोटा जिले में चम्बल रिवरफ्रंट के विकास कार्य का अवलोकन करते हुए मीडिया से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया का पहला हेरिटेज रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है कड़ी मेहनत और समर्पण से इस इस विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल को विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह रिवरफ्रंट कोटा की इकोनॉमी को न सिर्फ बूस्ट करेगा बल्कि रोजगार के भी बड़े आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने नगर विकास न्यास के अधिकारियों के साथ रिवरफ्रंट के ईस्ट और वेस्ट दोनों साइड का अवलोकन किया। रिवर फ्रंट पर विकसित किए गए वर्ल्ड हेरिटेज, राजस्थान हेरिटेज सहित तमाम मॉन्यूमेंट्स वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे आकर्षक विभिन्न घाटों को देखकर अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये। स्वायत्त शासन मंत्री ने नयापुरा साइट पर निर्मित की गई खूबसूरत बावड़ी से निरीक्षण शुरू किया तथा सिंह घाट, फव्वारा चौक, साहित्य घाट, वाटर पार्क, वर्ल्ड हेरिटेज बिल्डिंग्स, बैराज गार्डन सहित रिवरफ्रंट के ईस्ट साइड में विकसित किए गए विभिन्न घाटों का जायजा लिया। उन्होंने कई जगहों पर रुक कर अंतिम चरण में चल रहे कार्यों को बारीकी से देखा तथा गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जब पर्यटक यहां आये तो उन्हें स्थापत्यकला के साथ आधुनिकता का भी अनुभव होना चाहिए। रिवरफ्रंट के दोनों साइडों पर विकसित की गई खूबसूरत हेरिटेज लुक के साथ आधुनिक तकनीकी का समावेश करते हुए तैयार किये गये विश्व स्तरीय स्मारकों को देखकर मंत्री धारीवाल ने प्रसन्नता जाहिर की और शेष कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्व स्तरीय फव्वारा, योग करता साधक एवं घंटे के निर्माण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नदी में भ्रमण के समय पर्यटकों को दोनो घाटों पर आधुनिक तकनीकी के समावेश को देखने का भी कौतुहल बना रहेगा। स्वायत्त शासन मंत्री ने केशवरायपाटन तिराहे के आगे सिख धर्म के धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक चिन्ह खंडा को स्थापित किये जाने वाले स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य को गति के साथ समय पर मूर्त रूप दें। स्वायत्त शासन मंत्री ने बैसाखी के मौके पर केशवरायपाटन तिराहे के पास विशाल खंडा स्थापित किए जाने की अगमगढ़ गुरुद्वारे में घोषणा की थी। निरीक्षण के समय न्यास के ओएसडी आरडी मीणा, सचिव राजेश जोशी ने रिवरफ्रंट की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मुख्य अभियंता ओपी वर्मा, उप अधीक्षक आशीष भार्गव, आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया सहित न्यास के अधिकारी मौजूद रहे।

आरटीडीसी अध्यक्ष ने दी सौगात, विभिन्न वर्गों को किराए में मिलेगी 50 प्रतिशत तक छूट - राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने जारी किए आदेश

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र राठौड़ ने प्रदेश के विभिन्न वर्गों को बड़ी सौगात दी है। इन वर्गों को आरटीडीसी के होटल में ठहरने पर किराए में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। श्री राठौड़ ने पिछले दिनों अधिस्वीकृत पत्रकारों सहित विभिन्न वर्गों को किराए में रियायत दिए जाने की घोषणा की थी। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र राठौड़ के निर्देश पर निगम ने यह आदेश जारी किए। इसके तहत विभिन्न वर्गों को निगम के होटलों में ठहरने पर छूट दी जाएगी। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के कार्यकारी निदेशक श्री मनीष फौजदार ने बताया कि निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र राठौड़ ने विभिन्न श्रेणियों के व्यक्तियों को होटल किराए में छूट देने की घोषणा की थी। इस संबंध में निगम की 191 वीं बोर्ड मीटिंग में छूट देने का निर्णय लिया गया था। भारत रत्न, पदम विभूषण, पदम भूषण, पदमश्री, परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी, अर्जुन अवार्ड, द्रौणाचार्य अवार्ड, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड, ध्यान चंद अवार्ड एवं राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, राजकीय कार्य पर समस्त राज्य सरकारों, पीएसयू, केन्द्र सरकार के अधिकारी, कर्मचारी, प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आए विद्यार्थी एवं व्यक्ति, अधिस्वीकृत पत्राकार, सर्किट हाउस के लिए पात्रा अधिकारी एक अप्रेल से 31 मार्च तक 50 फीसदी रियायत के लिए पात्र होंगे। इसके साथ ही समस्त राज्य सरकारों, केन्द्र सरकार एवं पीएसयू के कार्मिकों को एक अप्रेल 15 जुलाई तक 50 प्रतिशत एवं 16 जुलाई से 31 मार्च तक 30 प्रतिशत रियायत देय होगी। दिव्यांगों को 30 प्रतिशत, महिला यात्रियों को 25 प्रतिशत, वरिष्ठ नागरिकों को 20 प्रतिशत छूट वर्ष पर्यनत दी जाएगी। राजस्थान राज्य ललित कला अकादमी से जुड़े कलाकारों को प्रदर्शनी के लिए निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार बल्क बुकिंग कराने पर भी छूट दी जाएगी। 25 से 35 कमरें एक होटल में एक दिन बुक कराने पर एक अप्रेल से 30 सितम्बर तक 30 प्रतिशत तथा 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक 20 प्रतिशत छूट दी जाएगी। 36 से अधिक कमरें बुक कराने पर एक अप्रेल से 30 सितम्बर तक 40 प्रतिशत तथा एक अक्टूबर से 31 मार्च तक 25 प्रतिशत छूट देय होगी।

प्रदेश में हो रहा विश्व स्तरीय आधार भूत ढांचे का निमार्णः मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचे का निर्माण हुआ है। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर राजस्थान इण्टरनेशनल सेंटर का निर्माण लगभग 140 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक, व्यापारिक, अकादमिक कार्यक्रमों सहित उच्च स्तरीय बैठकों, सेमिनारों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया जा सकेगा। राजस्थान को 2030 तक देश का प्रथम राज्य बनाना राज्य सरकार का मुख्य ध्येय है। गहलोत सोमवार को जयपुर के झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एंड सोशल साइंसेज, सवाई मानसिंह अस्पताल में बहुमंजिला आईपीडी टॉवर, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, विधानसभा में डिजिटल म्यूजियम, गांधी दर्शन म्यूजियम जैसे निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इससे जयपुर एक विश्व स्तरीय शहर बनकर उभर रहा है।

बीकानेर प्रेस क्लब को शीघ्र आवंटित होगी जमीन

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने दिया आश्वासन बीपीसी का प्रतिनिधिमंडल मिला संभागीय आयुक्त, न्यास सचिव एवं जिला कलक्टर से, दिया मांग पत्र बीकानेर। बीकानेर प्रेस क्लब के लिए भूखण्ड आवंटन की मांग को लेकर सोमवार को बीपीसी के अध्यक्ष भवानीशंकर जोशी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय आयुक्त नीरज के पवन से मुलाकात कर प्रेस क्लब के लिए शीघ्र भूखण्ड आवंटित करने की मांग रखी साथ ही लिखित में ज्ञापन सौंपा। बीपीसी के अध्यक्ष भवानीशंकर जोशी, महासचिव कुशाल सिंह मेड़तिया, पूर्व अध्यक्ष जयनारायण बिस्सा, कोषाध्यक्ष सुमित व्यास ने संभागीय आयुक्त को अगवत कराया कि जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, नागौर सहित राज्य के लगभग सभी जिलों में प्रेस क्लब बना हुआ है। सरकार ने उन्हें भूखण्ड आवंटित किए हुए हैं। लेकिन बीकानेर इससे अब तक वंचित है। पूर्व में भी इसे लेकर मांग की जा चुकी है। इस पर संभागीय आयुक्त ने त्वरित रूप से न्यास सचिव से दूरभाष पर वार्ता कर उचित स्थान पर प्रेस क्लब के लिए शीघ्र भूखण्ड आवंटन की बात कही। साथ ही प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर जब तक प्रेस क्लब के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो जाती, अस्थाई रूप से जगह जल्द ही उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कलक्टर , नगर विकास न्यास सचिव को भी दी गई। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ पत्रकार मोहन थानवी, पन्नालाल नागल, कार्यकारिणी सदस्य विवेक आहूजा, दिनेश जोशी, राजेश छंगाणी, ओम दैया, जितेन्द्र व्यास, नरेश मारू, मोहम्मद अली पठान, गिरिराज भादाणी, आर सी सिरोही, जितेन्द्र नागल, मोहन कड़ेला, राकेश पुरोहित,उमेश कुमार मोदी,जीतू बीकानेरी आदि शामिल थे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती मनाई

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना। अलवर के रामगढ़ मे सोमवार को रामगढ़ सेन समाज के द्वारा सेन समाज के गुरुसंत शिरोमणि सेन जी महाराज के 723 वा जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। सेन समाज के युवा संदीप सेन व विपुल सेन ने की रामगढ़ के सेन समाज के द्वारा संत शिरोमणि जी महाराज के जन्म उत्सव के उपलक्ष में रामगढ़ कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय मे मरीजो को फल बिस्किट वितरण किए गए उसके उपरांत संत शिरोमणि जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित दीप प्रज्वलित कर जन्म उत्सव को मनाया। इस दौरान संदीप सेन प्रदीप सैन छगनलाल सेन संजय सैन विपुल सेन सिद्धू सुदेश सेन मनीष अजय राहुल गौरव सैन दिनेश पूरन सेन पप्पन सेन आनंद सैनसीताराम सेन महेश सेन हरी रवि सैन यादराम बंटी पियूष सैन कमल सेन सहित दिनेश चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेनसमाज के लोगों ने चिकित्सालय में बांटे फल बिस्किट

रात में मां के साथ शौच करने गई नाबालिग बेटी के साथ शराबी मनचलो ने किया दुष्कर्म

भीलवाड़ा/ प्रहलाद तेली। शाहपुरा जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर चलानिया पंचायत में चलानिया गांव के धार्मिक स्थल भेरू नाथ के स्थान पर नाबालिक बालिका के साथ दो से तीन युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया ' जानकारी के अनुसार चलानिया भैरू नाथ स्थान पर धार्मिक रसोई के आयोजन पर एवं भगवान भैरव नाथ के दर्शन करने आया परिवार की नाबालिग बेटी के साथ अर्ध रात्रि में शराबी मनचलों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिले की रहने वाली नाबालिक कन्या अपनी माता के साथ शनिवार रात्रि 12:30 बजे करीब अपनी माता के साथ शौच करने निकली माता सोच कर रही थी स्थानीय तीन3 मनचले शराबी युवकों ने धर्म स्थान एवं मानवता की हद पार करते हुए नाबालिक बालिका को मुंह दबाकर उठाकर ले गए और झाड़ियों के अंदर बारी बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया परिजनों ने अलसुबह शाहपुरा थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई शाहपुरा थाना एवं पुलिस के पुलिस उप अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा एवं पुलिस निरीक्षक राजकुमार नायक आला अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं घटना से संबंधित जानकारी के साथ मौका मुआयना किया साक्ष्य एकत्रित कर पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर लिया पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राणा पूंजा की मूर्ति स्थापना का विशाल कार्यक्रम हुआ आयोजित

आसीन्द/ सांवरमल शर्मा। समस्त भील समाज की ओर से नेशनल हाईवे 148 डी आमली खेड़ा की झोपड़ियां, वार्ड नंबर 1 आसींद में सोमवार को राणा पूंजा भील की मूर्ति स्थापना का विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा, देवीलाल साहू नगर पालिका अध्यक्ष आसींद, नारू लाल भील प्रदेश अध्यक्ष भील समाज आरक्षण संघर्ष समिति, प्रदेश उपाध्यक्ष सांवरलाल भील, संभागीय अध्यक्ष भागचंद भील,जिलाध्यक्ष कैलाश चंद्र भील, तहसील अध्यक्ष नारायण लाल भील, सामाजिक कार्यकर्ता कांतिभाई रोत, एडवोकेट संदीप कुमार चावला के आतिथ्य में एवं गायत्री आश्रम महंत गणेश महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पार्षद कैलाश चंद्र भील, पूर्व पार्षद श्रवण लाल भील, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश चंद्र भील, गोपाल भील, बाजून्दा सरपंच प्रतिनिधि नंदलाल भील, युवा कार्यकर्ता भेरू लाल भील , सोनू भील, ललित कुमार भील, पृथ्वीराज भील, कैलाश चंद्र भील हुरड़ा, नारायण लाल भील, धनराज भील बनेड़ा,रोशन लाल भील, प्रभु लाल भील, धन्ना लाल भील, देवाराम भील सहित जिले भर के पदाधिकारीगण एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम में आसींद, बदनोर ,हुरडा ,बनेड़ा तहसील क्षेत्र व आसपास गांवों से महिला- पुरुषों एवं युवा कार्यकताओं ने भाग लिया।

सेन जयंती पर 3 कुंडीय गायत्री यज्ञ का हुआ आयोजन

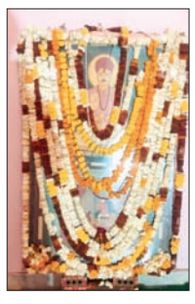

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। सेन समाज के आराध्य देव सेन जी महाराज की 723 वी जयंती पर सोमवार को शहर के मुख्य बाजार स्थित सेन समाज के मंदिर श्री गोपाल जी के मंदिर में 3 कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मंदिर में भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया ' जिसमें सेन समाज के सभी लोग शामिल रहे ' कार्यक्रम में सेन समाज अध्यक्ष चंदा लाल अमेरिया सूरजमल राठौड़, गोपाल लाल नरेड़ा , श्रवण लाल सेन, शंकर लाल सेन ,प्रह्लाद सहाय सेन, रामबाबू राठौड़ ,ताराचंद सेन ,गौरी शंकर राठौड़, श्याम लाल सेन, नवल राठौड़, सुरेन्द्र राठौड़ बिट्टू मारोठिया, एडवोकेट मातादीन सेन पूर्व अध्यक्ष सेन समाज चौमूं सहित सेन समाज के कई महिला एवं पुरुषों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

सेन समाज द्वारा हर्षोल्लास से मनाई गई सेन जयंती

गुलासेन समाजबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। स्थानीय क्षेत्र में सेन समाज के आराध्य देव संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 723 वी जयंती सेन सेवा समिति गुलाबपुरा के संयुक्त तत्वाधान में हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। जयंती समारोह में गुलाबपुरा क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्र से सामाजिक बंधुओं ने भाग लिया ।सेन समाज द्वारा सेन जी महाराज की शोभायात्रा श्री राम मंदिर गुलाबपुरा से शुरू कर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई श्री सेन छात्रावास पहुंची। शहर के मुख्य मार्गो मे माधव गो सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं सिंधी समाज के बंधुओं ने शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा का स्वागत अभिनंदन किया । समिति के संरक्षक सत्यनारायण सेन ने सेन समाज के सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने एवं संगठित रहने की अपील की । सेन सेवा समिति के अध्यक्ष अंबालाल सेन ने सभी सामाजिक बंधुओं सहित शहर वासियो द्वारा स्वागत अभिनंदन के लिए हार्दिक धन्यवाद आभार प्रकट करते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ श्री सेन जी महाराज की 723 वी जयंती मनाई गई जिसमें समाज के महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। भगवान श्री सेन जी महाराज के महा आरती पश्चात प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ इस दौरान राधेश्याम सेन, हरिशंकर सेन, सांवरलाल सेन ,एडवोकेट सांवर लाल सेन, भंवर लाल सेन, पुखराज सेन, श्री सेन युवा संगठन के अध्यक्ष मुकेश सेन लांबा ,कोषाध्यक्ष शंकर लाल सेन उपाध्यक्ष मुकेश सेन, नारायण सेन ,किशन सेन, ओम सेन, महावीर सेन, रामलाल सेन, संपत सेन,महावीर सेन ,लक्ष्मीनारायण सेन, कैलाश सेन, ओम सेन श्याम लाल सेन, रामपाल सेन,जगदीश सेन, सांवर सेन, कालू सेन, राकेश सेन, कैलाश सेन ,धर्मी चंद,आदि सेन समाज के गणमान्य एवं महिलाएं मौजूद रहे।

विधायक सांखला ने 27 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। ग्राम पंचायत रुपाहेली में विधायक जब्बर सिंह सांखला ने विधायक कोष से विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास व उद्घाटन किये व 2 लाख रूपए से बालाजी मंदिर देबीपुरा के पास कबूतर खाने के लिए स्वीकृति प्रदान की' तथा विधायक सांखला द्वारा ग्राम की प्रमुख समस्या आयल फैक्ट्री के प्रदूषण से परेशान आमजन की समस्या को इस कार्यकाल में अनेको बार विधानसभा के पटल पर रख कर प्रदूषित फैक्ट्री को बंद करने के पक्ष में राज्य के सामने अपना विरोध दर्ज करवाया, जिसके चलते रूपाहेली गांव पहुंचने पर ग्रामवासियो ने गर्मजोशी से स्वागत किया' इस दौरान ग्रामपंचायत के सरपंच भवानी सिंह राठौड़, फलामादा सरपंच महिपाल सिंह चुण्डावत, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि भैरूलाल पाराशर, युवा मोर्चा पूर्व जिला उपाध्यक्ष लड्डू बना रूपाहेली, पंचायत समिति सदस्य टीकम भाया, सहकारी समिति अध्यक्ष ऋषिराज सिंह राठौड़, उपसरपंच प्रतिनिधि प्रकाश सिंह रावणा राजपूत, वरिष्ठ भाजपा नेता महावीर प्रसाद वैष्णव, रमेश पारीक, मंजीत सिंह राठौड़, शक्ति केंद्र सयोंजक मुकेश वैष्णव, बूथ अध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, सहकारी समिति डायरेक्टर राजू वैष्णव, देवा भाई भील, वार्डपंच फतह लाल बैरवा, दयाराम भाई भील, सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

वित्तीय साक्षरता जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

रामगढ पचवारा (वरुण कामदार)। रामगढ़ पचवारा उपखंड मुख्यालय के ग्राम पंचायत कालूवास में क्रिसिल फाउंडेशन व ग्रामीण विकास ट्रस्ट में प्रगति कार्यक्रम के तत्वाधान से वित्तीय साक्षरता जागरूकता अभियान का सोमवार को आयोजित हुई। जिसमें ब्रांच मैनेजर मुकेश गुर्जर ने वित्तीय साक्षरता के बारे में विस्तार से बताया इसमें लगभग 180 लोगों ने भाग लिया जिसमें क्रिसिल सखी गांव में काफी योजनाओं को लेकर कार्य करती है इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी बाबूलाल जागा ने पंचायत की योजनाओं के बारे में बताया फील्ड ऑफिसर उर्मिला मीणा सीताराम पांचाल सीएफएल मनीवाइज प्रोग्राम से अनिल कुमार प्रजापत ने बैंकिंग योजनाओं के बारे में बताया क्रिसिल सखी सोमवती देवी आंगनबाड़ी से ललिता भार्गव वार्ड पंच छोटे लाल मीणा सहित आदि मौजूद रहे।

वित्तीय साक्षरता शिविर में महिलाओं को दी योजनाओ की जानकारी

लक्ष्मणगढ़(अलवर)। उपखण्ड क्षेत्र के जोनाखेड़ा पहाड़ गांव में ग्रामीण विकास ट्रस्ट व क्रिसिल फाउन्डेशन के तत्वाधान में मैं प्रगति प्रोग्राम के तहत वित्तीय साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमे ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सैंटर मैनेजर विमल चौधरी ने वित्तीय साक्षरता के बारे मे विस्तार से जानकारी दी और लक्ष्य, आमदनी, खर्चे, बचत निवेश के साधन , कर्ज, बीमा , पेंसन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत सरपंच साहबदीन खान ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में जानकारी दी और सभी को योजनाओ से लाभ लेने लिये प्रेरित किया। इस मौके पर बीआरकेजीबी बैंक बीसी अनुज कुमार जैन ने बैंक संबंधित स्कीम पीएमसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, अटल पेंशन योजनाओ की जानकारी दी। इस मौके पर क्रिसल सखी संजू देवी, महकराम, मंजू प्रजापत, सीमा मीना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बीना जाटव के अलावा सैकडो से ज्यादा ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित रहे।

सेन्ट टेरेसा पब्लिक स्कूल में मनाया प्रवेशोत्सव

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी उपखण्ड मुख्यालय पर सेंट टेरेसा पब्लिक स्कूल रैंणी में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सबसे पहले माँ सरस्वती के दीप प्रज्वलित कर पूजन वंदना के साथ आचार्य सतीश उपाध्यय के सानिध्य में करवाया गया उसके बाद बच्चो को स्कूल डायरेक्टर रूपेन्दर पांडेय द्वारा विद्यालय सम्बंधित दिशा निर्देश दिए गए । इस उपलक्ष्य में नन्हे मुन्हे बच्चो द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम भी किए गए तथा विद्यायल के डायरेक्टर ने बच्चो को स्वास्थ्य सम्बंधित दिशा निर्देश और बच्चो को पढ़ाई के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया तथा विधार्थियो के लिए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान विधायल के सभी स्टाफ सहित प्रधानाचार्य प्रकाश चंद व्यास , त्रिलोक सिंह , मानसिंह मीणा ,भरत लाल ,मनीष पंचौली ,भावना ,ममता शर्मा ,बबिता ,मोनिका जांगिड़ ,सपना ,सुनीता गुप्ता मौजूद रहे।

बांदीकुई जिला बनाओ सर्वसमाज संघर्ष समिति के तत्वधान में पहुंचा

15 दिनों से आमरण अनशन जारी

अजीत मिश्रा(बांदीकुई)। बांदीकुई को जिला बनाने एवं 15 दिन से आमरण अनशन पर बैठे सुरेश सैनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसमे बताया कि आज 15 दिन से चल रहे धरना प्रदर्शन व आमरण अनशन . पर सरकार व प्रशासन का कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल रहा । ऐसे में आमजन में सरकार के प्रति खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। बांदीकुई जिला बनने के सभी मापदंड पूर्ण करता है और पिछले 32 वर्षों से यहाँ की जनता द्वारा समय समय पर जिला बनाने की माँग की जाती रही है। ऐसे में अबकी बार बांदीकुई को अगर जिला नहीं बनाया गया तो आगामी समय में वर्तमान हालातों के अनुसार लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ेगा । जिस पर भँवर जितेन्द्र सिंह ने शीघ्र मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर समाधान कराने के लिए आश्वसत किया ।श्याम सुंदर अग्रवाल, लोकमान सिंह, बाबूलाल, महेंद्र दैमन पार्षद , प्रकाश चंद माठा, चंद्र मोहन अकोदिया, रवि पालीवाल, विनेश कुमार वर्मा, राकेश गुप्ता, सोहन लाल मीणा मौजूद रहे ।

भाविप शाखा भोजरास का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। भारत विकास परिषद शाखा भोजरास का दायित्व ग्रहण व स्नेह भोज का कार्यक्रम मां भारती व युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोडाणी की अध्यक्षता व विशिष्ट अतिथि प्रांतीय सह संगठन प्रभारी दिनेश शारदा के सानिध्य में वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोडाणी ने नवीन मुख्य दायित्व धारि शाखा अध्यक्ष भंवर लाल शर्मा, शाखा सचिव दुर्गेश जाट ,शाखा वित्त सचिव अमर सिंह राठौड़ व महिला प्रमुख कैलाश देवी टेलर को दायित्व ग्रहण की शपथ दिलाई व दिनेश शारदा ने प्रभारी दायित्व धारियों को पद की शपथ दिलाई। सोडाणी ने परिषद के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। साथ ही भारतीय संस्कृति के संदर्भ में परिषद सदस्यों व मात्र शक्तियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में गुलाबपुरा शाखा के नवीन मुख्य दायित्व धारियों के साथ पूर्व प्रांतीय संयोजक किशोर राजपाल का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। राजपाल ने परिषद के सेवा और संस्कार के प्रकल्पों के बारे में जानकारी साझा की। भोजरास शाखा द्वारा किए गए सेवा कार्यों की भुरी भुरी प्रशंसा की। इस दौरान शाखा पूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मालपानी, महावीर प्रसाद सोमरवाल, हरनाथ गुर्जर, अशोक अजमेरा, भंवर लाल टेलर, जगदीश टेलर, रमेश मंडल, पुसा राम जाट, रणजीत जाट, लादूराम जाट, रामपाल बेरवा, लालचंद गुर्जर, संपत पूरी, सत्यनारायण तेली बरदी चंद गोस्वामी, सोलन रॉय सांवर धाकड़,व मात्र शक्तियों में शाखा संयोजिका टीना मालपानी, सुमित्रा जाट, दुर्गा बुनकर, मिता मंडल, टीना शर्मा, ज्योति टेलर नोरती वैष्णव, शिला तेली, सीता जाट, चंद्रकला गुर्जर, सीता जाट, रामकन्या गोस्वामी सहित मातृशक्ति उपस्थित रही । दायित्व ग्रहण के उपरांत स्नेह भोज का शाखा सदस्यों द्वारा आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय संयोजक कृष्ण देव मिश्रा ने किया। शाखा अध्यक्ष द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया । अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

चिंतन

यूपी की पुलिस व्यवस्था पर उठते अनेक सवाल

उत्तर प्रदेश में सौ से अधिक आपराधिक मामले के आरोपित माफिया डॉन अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। यूपी पुलिस अतीक अहमद को गुजरात की साबरमती जेल से पूछताछ के लिए प्रयागराज लेकर आई थी, इसलिए अतीक यूपी पुलिस की सुरक्षा में था, उसकी सुरक्षा यूपी पुलिस की जिम्मेदारी थी।। जिस समय हत्या हुई, उस वक्त वहां पर पुलिस मौजूद थी। पुलिस अपनी सुरक्षा में ही अतीक व उसके भाई अशरफ को मेडिकल चेकअप के लिए ले जा रही थी। बड़ा सवाल है कि मेडिकल के लिए ले जाने जैसी जानकारी हत्यारों तक कैसे पहुंची? पुलिस ने अतीक व उसके भाई को ही मेडिकल चेकअप के लिए ले जाने की जानकारी ऐन मौके पर दी थी, तो आखिर सूचना लीक कैसे हुई? क्या पुलिस को अंदेशा नहीं था कि अतीक पर हमला हो सकता है? इस हत्या ने उत्तर प्रदेश की सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार पर विपक्ष को हमले का मौका दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, मायावती और असदुद्दीन ओवैसी ने इस हत्या की कड़ी आलोचना की है और योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सीएम योगी की सरकार यूपी से अपराध का सफाया करने के लिए अभियान चला रही है, इससे किसी को विरोध नहीं है, लेकिन अतीक व उसके भाई की हत्या के बाद यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के कटघरे में आ गई है। सरकार संवैधानिक दायरे में ही काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था सुधारने व अपराधियों में डर पैदा करने के नाम पर कोई भी सरकार मनमानियां नहीं कर सकती है। अतीक का इस तरह अंत होगा, ऐसा किसी ने सोचा नहीं होगा, न खुद अतीक ने व न यूपी पुलिस ने। इतनी सुरक्षा के बावजूद हमलावरों का अतीक अहमद व उसके भाई तक इतनी आसानी से पहुंचना संदेह पैदा करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कानून के राज के हिमायती हैं, इसके बावजूद उनकी सरकार की ही अतीक की सुरक्षा में तैनात पुलिस इतनी लापरवाह हो, यह कल्पना से परे है। बेशक मुख्यमंत्री योगी ने तत्परता दिखाते हुए जांच आयोग गठित कर दी है, पुलिस के आला आधिकारियों को तलब किया है, लेकिन इससे यूपी पुलिस की इतनी बड़ी लापरवाही कम नहीं होती है, उसकी साख नहीं लौटेगी। इस घटना के बाद से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और यूपी पुलिस पर सवाल उठने लाजिमी ही है। दो दिन पहले ही अतीक के बेटे असद व उसके सहयोगी अपराधी की पुलिस मुठभेड़ में जान चली गई थी, इस मुठभेड़ पर भी सवाल उठ रहे थे, अभी जांच हुई भी नहीं थी, और अब अतीक व उसके भाई की पुलिस के सामने हत्या ने यूपी की कानून व्यवस्था की हवा निकाल दी है। विपक्षी दलों का सवाल उठाना लाजिमी ही है कि फिर कानून व्यवस्था का क्या मतलब है? अगर पुलिस सुरक्षा में लाए गए व्यक्ति भी सुरक्षित नहीं है, तो यह पुलिस तंत्र की साख के लिए चिंता की बात है। यूपी पुलिस पर आखिर जनता कैसे भरोसा करेगी कि वह महफूज है? यह सुनियोजित हत्या हो सकती है, इसलिए इसकी जांच गंभीरता से होनी चाहिए। साजिश का पर्दाफाश जरूरी है। सुरक्षा में लापरवाही के जिम्मेदार पुलिस कर्मियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यूपी सरकार को समूची पुलिस व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए, ताकि फिर ऐसी घटना न हो। उत्तर प्रदेश सरकार के लिए जरूरी है कि पुलिस पर जनता का विश्वास बना रहना चाहिए।

विश्लेषण
अनुराग सिंह ठाकुर

मन की बात को एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। इस देशव्यापी कार्यक्रम को जनभागीदारी से ठोस आधार प्राप्त होता है। इस कार्यक्रम की परिकल्पना और कार्यान्वयन, नागरिकों के साथ जुड़ाव और भागीदारी के विचार पर आधारित है, जो कार्यक्रम के नाम से लेकर विषयों की पसंद और लोगों द्वारा सक्रियता से काम करने के आह्वान तक से परिलक्षित होते हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल करते हैं। 'मन की बात' का प्राथमिक उद्देश्य भारत के प्रधानमंत्री और देश के नागरिकों के बीच सीधा संपर्क बनाना है। भारत की टीके की कहानी की सफलता का श्रेय काफी हद तक 'मन की बात' को जाता है।

समग्र संवाद है मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सार्वभौमिक रूप से एक असाधारण प्रतिभा के धनी वक्ता के रूप में स्वीकार किया जाता है, जो जनता के साथ तत्काल संवाद-संबंध स्थापित कर सकते हैं। उनकी वक्तृत्व कला, इस क्षमता का केवल एक उदाहरण है। जिस लगन के साथ वे बोलते हैं और पिछले आठ वर्षों में उन्होंने लोगों के साथ जो विश्वास-आधारित संवाद संबंध बनाए हैं, वे सभी मिलकर, जनसंचारक के रूप में उनकी सफलता में योगदान देते हैं। उनके समावेशी दृष्टिकोण को देश के सभी भागों में अभूतपूर्व स्वीकृति मिली है। यह पीएम मोदी के विकास का लोक-केंद्रित मॉडल है, जिसने उन्हें बड़ी संख्या में आम लोगों का प्रिय बना दिया है। लोगों के साथ निरंतर संवाद, जिसे हम 'मन की बात' के रूप में जानते हैं, से जुड़े उनके विचार को गैर-अभिजात्य या साधारण स्तर का कहा जा सकता है। 'मन की बात' कार्यक्रम को अक्टूबर 2014 में लॉन्च किया गया था। यह महीने के अंतिम रविवार के दिन के लिए नियत किया गया है। यह एक रेडियो वार्ता के रूप में शुरू हुआ था; लेकिन अब इसे एक साथ विभिन्न प्लेटफार्मों पर कई भाषाओं में प्रसारित किया जाता है।

मन की बात से पता चलता है कि मोदी के दो व्यक्तित्व हैं-मजबूत, शक्तिशाली और उद्देश्यपूर्ण प्रधानमंत्री मोदी तथा नम्र, दयालु और नेक अभिभावक। यदि आप आंख बंद करके 'मन की बात' सुनें, तो आप सोचेंगे कि मोदी गांव की चौपाल पर बैठे हैं, लोगों से बातचीत कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के साथ अपनी बातचीत साझा की, जिन्होंने बहादुरी से अपने प्रियजनों के अंग दान करने के फैसले किये थे। मोदी ने उस बातचीत का उपयोग अंगदान के नेक विचार को बढ़ावा देने के लिए किया। ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जिनमें जलवायु की विपरीत स्थितियों से निपटने से लेकर स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े सामान्य लोगों के अच्छे कार्यों के लिए उन्हें उदार मन से बधाई देना आदि शामिल हैं। 'मन की बात' अनिवार्य रूप से वास्तविक जीवन की कहानियों और अनुभवों के बारे में है। ऐसी कहानियां, जो वास्तविक भारत को दर्शाती हैं और लुटियंस दिल्ली की संकीर्ण सीमाओं से परे हैं। मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर, 2014 को प्रसारित किया गया था। यह 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड पूरे करेगा। मन की बात अपनी विषय वस्तु, डिजाइन, बातचीत और आम लोगों तथा समग्र रूप से समाज के साथ संवाद करने के अभिनव तरीके के मामले में अद्वितीय है। 262 रेडियो स्टेशनों और 375 से अधिक निजी और सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के साथ दुनिया के सबसे बड़े रेडियो नेटवर्क 'ऑल इंडिया रेडियो' के माध्यम से, भारतीय प्रधानमंत्री सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विभिन्नता वाली विशाल आबादी तक पहुंचते हैं, उन्हें न केवल सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मुद्दों पर, बल्कि जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संकट जैसी चुनौतीपूर्ण समस्याओं पर भी प्रेरित व सक्रिय करते हैं, जिनका दुनिया आज सामना कर रही है। भारतीय लोक प्रसारक, प्रसार भारती मन की बात का अनुवाद और प्रसारण 52 भाषाओं/बोलियों में करता है, जिसमें 11

विदेशी भाषाएं शामिल हैं, ताकि देश के सबसे दूर-दराज क्षेत्रों से लेकर विदेशों में रहने वाले भारतीयों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो सके।

मन की बात भारत का पहला वर्चुअल रूप से समृद्ध रेडियो कार्यक्रम है, जिसे टीवी चैनलों द्वारा एक साथ प्रसारित किया जाता है। दूरदर्शन नेटवर्क के 34 चैनल और 100 से अधिक निजी सैटेलाइट टीवी चैनल इस अभिनव कार्यक्रम को देशभर में प्रसारित करते हैं, जो संचार के इस पारंपरिक माध्यम के प्रति एक नई रुचि और जागरूकता पैदा करते हैं। फरवरी 2022 से हर महीने विशेषज्ञों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अग्रणी व्यक्तियों के लेखों के साथ एक स्मार्ट तरीके से तैयार पुस्तिका भी प्रकाशित की जा रही है, जो डिजिटल रूप से 60 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंचती है। इतने व्यापक प्रभाव के साथ, मन की बात को एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम को जनभागीदारी से ठोस आधार प्राप्त होता है। इस कार्यक्रम की परिकल्पना और कार्यान्वयन, नागरिकों के साथ जुड़ाव और भागीदारी के विचार पर आधारित है, जो कार्यक्रम के नाम से लेकर विषयों की पसंद और लोगों द्वारा सक्रियता से काम करने के आह्वान तक से परिलक्षित होते हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल करते हैं। प्रत्येक एपिसोड व्यक्तियों की परिवर्तनकारी शक्ति में प्रधानमंत्री के अटूट विश्वास के आधार पर तैयार किया जाता है और शासन में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री देशभर के लाखों लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रहे हैं। वे इस प्लेटफार्म का देश के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने में उपयोग करते हैं और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी चाहते हैं।

'मन की बात' का प्राथमिक उद्देश्य भारत के प्रधानमंत्री और देश के नागरिकों के बीच सीधा संपर्क बनाना है। हर महीने, प्रधानमंत्री को देशभर से लाखों पत्र मिलते हैं, जिस पर वे कार्यक्रम के दौरान प्रकाश डालते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री का लोगों से टेलीफोन पर बातचीत करना भी असामान्य बात नहीं है। निर्वाचित नेता और जनता के बीच संचार का ऐसा तरीका लोकतंत्र और शासन में लोगों के विश्वास को काफी मजबूत करता है। बदलाव लाने वालों की प्रेरक कहानियां इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में से एक हैं, जो निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं, जो न केवल उनके लिए काम करते रहने के लिए प्रेरणा का स्रोत बन जाते हैं। अपनी शुरुआत से लेकर, 'मन की बात' पूरे देश में समुदायों को शामिल करने वाले सामाजिक आंदोलनों को उत्प्रेरित करने वाले जन आंदोलन के एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। 'मन की बात' के 88वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और नागरिकों से अपने इलाके में अमृत सरोवर बनाने का आग्रह किया। कुछ महीनों के भीतर, प्रधानमंत्री का यह संदेश एक जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया और देशभर में कई अमृत सरोवर तैयार हो गए, जो स्थानीय लोगों द्वारा क्षेत्र के सरकारी निकायों की मदद से बनाए गए थे। इसके बाद, 92वें एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने नागरिकों के त्वरित प्रयासों की सराहना की, क्योंकि उन्होंने उत्तर प्रदेश के ललितपुर में भगत सिंह अमृत सरोवर और कर्नाटक के बिलकेरूर में अमृत सरोवर जैसे विभिन्न अमृत सरोवरों के बारे में चर्चा की। संकट के समय में भी, इस कार्यक्रम ने लोगों को सूचित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए इसने कोविड महामारी के दौरान लोगों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया और उन्हें टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। भारत की टीके की कहानी की सफलता का श्रेय काफी हद तक 'मन की बात' को जाता है। यही हमारे जीवन में 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रासंगिकता और इसके महत्व का पर्याप्त प्रमाण है।

(लेखक केंद्रीय मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

रहे सतर्क : प्राकृतिक आपदा 'भूकंप' से जागरूकता है जरूरी

यह लेख सभी को पढ़ना बहुत जरूरी

सितारा न्यूज नेटवर्क

लेखक : भंवर लाल टांक

निरीक्षक (आपदा विशेषज्ञ)। भूकंप एक ऐसी घटना है जो बिना किसी चेतावनी के होती है और इसमें जमीन और उसके ऊपर की हर चीज का हिंसक कंपन होता है। यह चलती हुई लिथोस्फेरिक या क्रस्टल प्लेटों के संचित के परिणामस्वरूप होता है। पृथ्वी की पपड़ी सात प्रमुख प्लेटों में विभाजित है, जो लगभग 50 मील मोटी हैं, जो धीरे-धीरे और लगातार पृथ्वी के आंतरिक भाग और कई छोटी प्लेटों पर चलती हैं। भूकंप मूल रूप से विवर्तनिक होते हैं; यानी हिलती हुई प्लेटें हिंसक झटकों की घटना के लिए जिम्मेदार होती हैं। आबादी वाले क्षेत्र में भूकंप की घटना से जान माल और चल अचल संपत्ति को भारी नुकसान होता है।

भारत में भूकंप का जोखिम

भारत की बढ़ती आबादी और व्यापक निर्माण, जिसमें बहुमंजिला लक्जरी अपार्टमेंट, विशाल कारखाने की इमारतें, विशाल मॉल, सुपरमार्केट के साथ-साथ गोदाम और चिनाई वाली इमारतें शामिल हैं भूकंप आने पर भारत को उच्च जोखिम में रखते हैं। पिछले 25 वर्षों के दौरान, देश ने 10 बड़े भूकंपों का सामना किया है, जिसके परिणामस्वरूप 20,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। देश के वर्तमान भूकंपीय क्षेत्र के अनुसार, भारत का 59 प्रतिशत से अधिक भूमि क्षेत्र मध्यम से गंभीर भूकंपीय खतरे के खतरे में है इसका मतलब है कि यह एमएसके तीव्रता श्क्कऔर उससे अधिक के झटकों के लिए उत्तरदायी है। वास्तव में, संपूर्ण हिमालयी बेल्ट को 8.0 रियेक्टर से अधिक परिमाण के बड़े भूकंपों के लिए माना जाता है हिमालयी क्षेत्र में बहुत भयंकर भूकंप आने की संभावना की चेतावनी दी है, जो भारत में लाखों लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में ऊपर बताए गए दो बड़े भूकंपों सहित लगातार अंतराल पर मध्यम से बड़े भूकंप का अनुभव होता रहता है। इस क्षेत्र में औसतन हर साल 6.0 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप आते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भी एक इंटर-प्लेट सीमा पर स्थित हैं और अक्सर विनाशकारी भूकंपों का अनुभव करते हैं।

89 भूकंप के बाद क्या करें?

- शांत रहें, रेडियो/टीवी चालू करें और उस पर सुनाई देने वाले किसी भी निर्देश का पालन करें।
- समुद्र तटों और नदियों के निचले किनारों से दूर रहें। बड़ी लहरें आ सकती हैं।
- झटकों की उम्मीद के लिए तैयार रहें।
- पानी, गैस और बिजली बंद कर दें।
- धूम्रपान न करें और माचिस न जलाएं या सिगरेट लाइटर का उपयोग न करें। स्विच ऑन न करें। गैस रिसाव या शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।
- आग लगे तो बुझाने का प्रयास करें। यदि आप नहीं कर सकते हैं, तो फायर ब्रिगेड को फोन करें।
- अगर लोग गंभीर रूप से घायल हैं, तो उन्हें तब तक न हिलाएं जब तक कि वे खतरे में न हों।
- किसी भी ज्वलनशील उत्पादों को तुरंत साफ करें जो फैल गए हों (शराब, पेंट, आदि)।
- यदि आप जानते हैं कि लोगों को दफनाया गया है, तो बचाव दल को बताएं। जल्दी मत करो और घायल व्यक्तियों की स्थिति या अपनी स्थिति को खराब मत करो।
- ऐसी जगहों से बचें जहां बिजली के ढीले तार हों और उनके संपर्क में आने वाली किसी धातु की वस्तु को न छुएं।
- खुले बर्तनों का पानी बिना जांचे और छलनी, फिल्टर या साधारण साफ कपड़े से छानकर न पिएं।
- यदि आपका घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, तो आपको इसे छोड़ना होगा। पानी के कंटेनर, भोजन, और साधारण और विशेष दवाएं (हृदय की शिकायत, मधुमेह, आदि वाले व्यक्तियों के लिए) एकत्र करें।
- तरह क्षतिग्रस्त इमारतों में दोबारा प्रवेश न करें और क्षतिग्रस्त संरचनाओं के पास न जाएं।

भूकंप से पहले क्या करें?

- छत और नींव में गहरी प्लास्टर दरारों की मरम्मत करें दोषों के लक्षण होने पर विशेषज्ञ की सलाह लें।
- मानकों के निर्माण के लिए अपने क्षेत्र के लिए प्रासंगिक बीआईएस कोड का पालन करें
- सुरक्षित रूप से दीवारों से अलमारियों बांधें।
- बड़ी या भारी वस्तुओं को निचली अलमारियों पर रखें।
- बोतलबंद खाद्य पदार्थ, कांच और चीन जैसी टूटने योग्य वस्तुओं को कुंडी के साथ कम, बंद अलमारियाँ में स्टोर करें।
- चित्र और दर्पण जैसी भारी वस्तुओं को बिस्तरों, सेट्टियों और लोगों के बैठने की किसी भी जगह से दूर लटका दें।
- ओवरहेड लाइट और फैन फिक्स्चर को संभालो।
- खराब बिजली के तारों और लीकेज गैस कनेक्शनों को ठीक कराएं। ये संभावित आग जोखिम हैं।
- वॉटर हीटर, एलपीजी सिलेंडर आदि को दीवारों से बांधकर या फर्श पर बोल्ट लगाकर सुरक्षित करें।
- खरपतवार नाशकों, कीटनाशकों और ज्वलनशील उत्पादों को सुरक्षित रूप से कुंडी के साथ बंद कैबिनेट में और नीचे की अलमारियों पर स्टोर करें।
- घर के अंदर और बाहर सुरक्षित स्थानों की पहचान करें।
- उस जगह से दूर जहां शीशे खिड़कियों, शीशों, तस्वीरों के आसपास बिखर सकते हैं, या जहां भारी बुककेस या अन्य भारी फर्नीचर गिर सकता है

- खुले में, इमारतों, पेड़ों, टेलीफोन और बिजली की लाइनों, फ्लाईओवर और पुलों से दूर रहें
- आपातकालीन टेलीफोन नंबर जानें (जैसे कि डॉक्टरों, अस्पतालों, पुलिस, आदि) को अपने पास रखें
- शिक्षित करें स्वयं को और परिवार के सदस्यों को
- जागरूक करे
- यदि भूकंप के दौरान परिवार के सदस्य एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं (दिन के दौरान एक वास्तविक संभावना जब वयस्क काम पर होते हैं और बच्चे स्कूल में होते हैं), आपदा के बाद पुनर्मिलन की योजना विकसित करें।
- राज्य के बाहर के किसी रिश्तेदार या मित्र को आपदा के बाद 'पारिवारिक संपर्क' के रूप में सेवा करने के लिए कहें; लंबी दूरी की कॉल करना अक्सर आसान होता है। सुनिश्चित करें कि परिवार में हर कोई संपर्क व्यक्ति का नाम, पता और फोन नंबर जानता है।
- भूकंप पर आपातकालीन सूचना के साथ अपने स्थानीय समाचार पत्र में एक विशेष खंड प्रकाशित करें। स्थानीय आपातकालीन सेवा कार्यालयों और अस्पतालों के फोन नंबरों को प्रिंट करके जानकारी को रखे
- घर में खतरों का पता लगाने पर सप्ताह भर चलने वाली श्रृंखला का संचालन करें।
- भूकंप के दौरान क्या करना है, इस पर गतिशीलता में कमी वाले लोगों के लिए विशेष रिपोर्ट तैयार करने के लिए स्थानीय आपातकालीन सेवाओं और अधिकारियों के साथ काम करें।
- घर में आए भूकंप के अभ्यास आयोजित करने पर सुझाव प्रदान करें।
- उपयोगिताओं को बंद करने के बारे में गैस, बिजली और पानी कंपनियों के साक्षात्कार प्रतिनिधियों।

भूकंप के दौरान क्या करना है, यदि घर के अंदर हैं तो

- जमीन को पकड़े :-एक मजबूत टेबल या फर्नीचर के अन्य टुकड़े के नीचे बैठकर कवर ले तब तक होल्ड करें जब तक कंपन बंद न हो जाए। यदि आपके आस-पास कोई टेबल या डेस्क नहीं है, तो अपने चेहरे और सिर को अपनी बाहों से ढक लें और भवन के अंदर के कोने में झुकें।
- एक कमरे के कोने में, एक टेबल के नीचे या यहां तक कि एक बिस्तर के नीचे एक आंतरिक दरवाजे के नीचे रहकर अपनी रक्षा करें।
- कांच, खिड़कियों, बाहरी दरवाजों और दीवारों से दूर रहें, और जो कुछ भी गिर सकता है`
- जब भूकंप आए तो बिस्तर पर रहें। अपने सिर को तकिये से पकड़ें और सुरक्षित रखें
- आश्रय के लिए एक द्वार का उपयोग केवल तभी करें जब वह आपके निकट हो और यदि आप जानते हैं कि यह एक दृढ़ता से समर्थित, भार वहन करने वाला द्वार है।
- जब तक कंपन बंद न हो जाए तब तक अंदर रहें और बाहर जाना सुरक्षित है। अनुसंधान से पता चला है कि ज्यादातर चोटें तब होती हैं जब इमारतों के अंदर के लोग इमारत के अंदर एक अलग स्थान पर जाने का प्रयास करते हैं या छोड़ने की कोशिश करते हैं।
- ध्यान रहें कि बिजली जा सकती है या स्प्रिंकलर सिस्टम या फायर अलार्म चालू हो सकता हैं।

भूकंप के दोरान घर से बाहर हों

- जहाँ पर तुम हो, वहाँ से मत हिलो। हालांकि, इमारतों, पेड़ों, स्ट्रीट लाइट्स और यूटिलिटी तारों से दूर रहें।
- यदि आप खुली जगह में हैं, तब तक वहीं रहें जब तक कंपन बंद न हो जाए। सबसे बड़ा खतरा सीधे इमारतों के बाहर मौजूद है; बाहर निकलने पर और बाहरी दीवारों के साथ। अधिकांश भूकंप से संबंधित हताहतों का परिणाम दीवारों के गिरने, कांच के उड़ने और वस्तुओं के गिरने से होता है।

यदि चलती गाड़ी में

- सुरक्षा अनुमति मिलते ही रुकें और वाहन में ही रहें। इमारतों, पेड़ों, ओवरपास और उपयोगिता तारों के पास या नीचे रुकने से बचें।
- भूकंप थमने के बाद सावधानी से आगे बढ़ें। सड़कों, पुलों या रैंप से बचें जो भूकंप से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।

अगर मलबे के नीचे फंस गया

- माचिस न जलाएं।.
- इधर-उधर न घूमें और न ही धूल झाड़ें।
- एक रूमाल या कपड़े के साथ अपना मुँह ढक दें।
- एक पाइप या दीवार पर टैप करें ताकि बचाव दल आपको ढूंढ सकें। यदि उपलब्ध है तो सीटी का उपयोग करें। केवल अंतिम उपाय के रूप में चिल्लाओ। चिल्लाने से आप खतरनाक मात्रा में धूल में सांस ले सकते हैं।

आपदा आपातकालीन किट रखे

- संकट की स्थिति में, आपको बैटरी से चलने वाली टॉर्च और रेडियो से लैस होना चाहिए, बैटरी से चलने वाला रेडियो आपको यह जानने में मदद करेगा कि आपके क्षेत्र की वर्तमान स्थिति क्या है।
- सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त भोजन (सूखे और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ) ले जा रहे हैं। आदर्श खाद्य पदार्थ हैं: शेल्फ-स्थिर (कोई प्रशीतन आवश्यक नहीं), नमक में कम, और खाना पकाने की आवश्यकता नहीं है।
- उन स्वच्छता वस्तुओं को पैक करें जिनकी आपको आराम से रहने की आवश्यकता है, लेकिन इसे ज्यादा न करें। टॉयलेट पेपर, कॉटन बंडाना (फेस मास्क या सिर ढकने के लिए), बेबी वाइप्स, साबुन आवश्यक हैं।
- आपदा की स्थिति में पानी की आपूर्ति बंद या दूषित हो सकती है। अपने परिवार के सभी सदस्यों के लिए कम से कम 3 दिनों के लिए पर्याप्त पानी जमा करें।
- प्राथमिक चिकित्सा किट: धुंध का एक रोल, कुछ धुंध पैड, मेडिकल टेप, कुछ दर्द निवारक, अल्कोहल वाइप्स, कुछ जले/घाव क्रीम और कुछ पेट्रोलियम जेली या अन्य मॉइस्चराइजर प्राप्त करें। आपको धुंध और टेप से अपना स्वयं का बैंड एड्स बनाना होगा, लेकिन आप अधिकांश अन्य छोटी चोटों को कवर करने में सक्षम होंगे।
- किट में कुछ कैश रखें। यदि कोई आपात स्थिति है जिसके कारण बैंक बंद हो जाते हैं या एटीएम उपलब्ध नहीं हैं, तो आप पाएंगे कि आपको इसकी आवश्यकता होगी।
- अपनी व्यक्तिगत जानकारी के साथ-साथ अपने किट में डॉक्टरों और परिवार के संपर्कों की एक सूची रखें। अगर आपको कुछ हो जाए तो हम किसे फोन करें? क्या आपको एलर्जी है? आप कौन हैं और कहाँ रहते हैं?
- इन सभी चीजों को अपने पास रखें क्योंकि ये संकट की स्थिति में आपकी मदद करेंगे
- बैटरी चलित रेडियो रखें
- प्राथमिक चिकित्सा किट और मैनुअल रखें जरूरत पर उपचार लिया जा सकता है
- आपातकालीन भोजन (सूखे पदार्थ) और पानी (बंद और सील किया हुआ) रखें
- मोमबत्ती और माचिस एक जलरोधक डिब्बे में मे रखें
- चाकू रखें
- क्लोरीन की गोलियां या पाउडर वाटर प्यूरीफायर साथ रखें
- भूकंप जैसी आपदा से बचने के लिए जागरूकता और सरकारी दिशानिर्देश का पालन करना बहुत ही जरूरी है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रुप से घायल

लक्ष्मणगढ़(अलवर)। कस्बे के कठूमर रोड पर पुराना बस स्टैंड के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। 108 एंबुलेंस ईएमटी हितेश साहू व पायलट बलराम शर्मा ने बताया कि सुरेंद्र योगी पुत्र लक्ष्मण योगी निवासी सहाड़ी अपनी बाइक पर सवार होकर लक्ष्मणगढ़ से अपने गांव सहाडी जा रहा था। रास्ते में खुड़ियाना बस स्टैंड के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक सुरेंद्र योगी गंभीर रुप से घायल हो गया। वहीं राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दुर्घटना में घायल युवक को उपचार के लिए सरकार अस्पताल में भर्ती कराया।

रामकिशोर बीसीसी बस्सी के महासचिव पद पर नियुक्त

बस्सी(रामफूल मीणा)। गंगा माता मंदिर प्रांगण में रैगर समाज बस्सी के युवाओं द्वारा प्रेमचंद सिंघाडिया के नेतृत्व में अखिल भारतीय रैगर महासभा तहसील अध्यक्ष पद पर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महासचिव मनोनीत होने पर रामकिशोर खोलिया का फूलमाला और साफा बंधवाकर मुंह मीठा कराकर भव्य स्वागत सम्मान किया गय और इस दौरान रामकिशोर खोलिया ने सभी युवा साथियों का आभार प्रकट किया। और कहा कि किसी भी भाई को समाज स्तर पर या अन्य कोई भी काम हो तो कभी भी घर आ सकते हैं मैं आपका सहयोग करने के लिए 24 घंटे तैयार रहूंगा और इस दौरान रैगर समाज बस्सी अध्यक्ष घनश्याम सिंघाडिया, डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष सूरजमल अखरिया, भीम सेना जिला अध्यक्ष राजाबाबू रैगर, सुरेश जाजोरिया, जगदीश कुंडारा, महादेव खोलिया, पवन सिंघाडिया, राहुल सिंघाडिया, मुकेश खोलिया, लेखराज खोलिया, त्रिलोक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

युवा नेता हरि तँवर के जन्म दिन पर होगा विशाल रक्तदान

भीलवाड़ा/ शाहपुरा। भीलवाड़ा/ शाहपुरा क्षेत्र के युवा नेता हरि तँवर के जन्मदिन पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन मे विधायक कैलाश चन्द्र मेघवाल ने किया । इस मौके पर मेघवाल ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान माना जाता है ऐसे पुनीत आयोजनों से सभी को प्रेरणा लेकर अपने जन्मदिन के मौके पर ऐसे सद्कार्य करके अनूठा उदाहरण पेश करना चाहिए । इस मौके पर गिरडिया सरपंच देबी लाल गुर्जर , हरि तंवर , राहुल कसाना , दुर्गेश वैष्णव , आदराम गुर्जर , सोजीराम गुर्जर , राजाराम गुर्जर , हेमराज गुर्जर जितेन्द्र योगी इत्यादि युवा उपस्थित रहे।

घर में घुसे थे चोर, परिवार सोता रहा, चोर लाखों का माल लेकर पार

गुरला/ बद्री लाल माली। गुरला क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेथुरिया के सोपुरा में बीती रात बदमाशों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए। कमरे में रखी पेटीया को तोड़ लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। वारदात की जानकारी सुबह लगी। सोपुरा निवासी नारायण लाल गुर्जर व पत्नी दोनों महाराष्ट्र में रहते हैं इस दौरान उनकी दो बच्चे कमरे में सो रहे थे जिस कमरे में सो रहे थे बच्चे के कमरे के बाहर से चोर ने कुदी लगा दी और पास के कमरे का ताल तोड़ कर लाखो का माल चोरी कर ले उड़े चोरों ने पास के कमरे का ताला तोड़ उसमें रखी दो पेटीया को उठाकर ले गये पेंटी में रखे इक्कीस हजार रुपए रोकड़, पाईजम, सोने का लोकेट, एक मंगलसुत्र चोरी कर अपने अपने साथ ले गए। पीड़ित के अनुसार शायद चोर दीवार फांद घर के अंदर घुसे थे। सामान की कीमत चार लाख रुपए बताई गई है। वहीं मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

स्वर्गीय डॉ पूनिया की याद में रक्तदान शिविर आज

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत रहे हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सतीश पूनिया की प्रथम पुण्यतिथि पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। सीएचसी प्रभारी डॉ विनोद गुप्ता ने बताया कि डॉ सतीश पूनिया की प्रथम पुण्यतिथि पर सीएचसी परिसर में श्रृद्धांजलि सभा के बाद विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि गत वर्ष 18 अप्रैल को फैमिली ट्यूर के दौरान हादसे में डॉ सतीश पूनिया सहित पत्नी व बच्चों की मौत हो गई थी। शिविर में डॉ पूनिया के परिवार जनों सहित मित्र गण व सीएचसी का स्टाफ रक्तदान करके श्रृद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर बांटे गए पीले चावल

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश बसवाला दुगार्पुरा के सानिध्य में बांटे पीले चावल

बस्सी (रामफूल मीणा)। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा की और से आगामी होने वाले बस्सी के सिद्धपीठ श्रीकल्याण जी धाम मंदिर परिसर बैनाडा में 30 मई 2023 को सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां को लेकर एक दिवसीय मीटिंग का आयोजन किया गया इस सम्मेलन में समाज के लगभग 40 हजार समाज बंधुओं के पहुंचने की संभावना व राजस्थान गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश दिल्ली, सहित अन्य राज्यों से पहुंचेंगे सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के लोग जिसमें समाज के भामाशाहो द्वारा उपहार सहित कन्यादान स्वरूप अन्य समाज के आए हुए सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार कर जिम्मेदारी का जिम्मा दिया गया

और अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश बसवाला दुगार्पुरा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचन्द कोटोत्या द्वारा दी गई नई जिम्मेदारी को लेकर बस्सी विधानसभा क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों में पहुंचे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश बसवाला दुगार्पुरा का टेकचंदपुरा ,तिलपट्टी, पातलवास राजपुरा, माधोगढ़, और बस्सी सहित अन्य गांव का दौरा किया जिसमे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बस्सी का दौरा समाज के गांवों का रहा जिनमें समाज के लोगों ने सभी गांवों में पहुंचने पर समाज के लोगों ने कैलाश दुगार्पुरा का माला और साफा पहनाकर जोरदार भव्य स्वागत किया और साथ ही साथ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश दुगार्पुरा ने समाज के गांवों का दौरा करने के साथ आगामी होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में जुटने सहित सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों को जिम्मेदारी देते कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर पीले चावल बांटे जा रहे हैं जिसमें समाज के अधिक से अधिक सामूहिक विवाह सम्मेलन में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाएं कार्यक्रम में साथ में रहे जगदीश रायपुर ,विकास समर्पण, विक्रम बडगोती बैनाडा मोड,शंकर मास्टर तिलपट्टी, रोहित शर्मा खेड़ी(सरपंच प्रतिनिधि), संजय तिलपट्टी, विनोद कुमार ,सहित सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों मौजूद रहे साथ ही साथ स्वागत सम्मान कार्यक्रम में बस्सी के पूर्व प्रधान लल्लू शर्मा, रामजीलाल झांझड़ा लसाडिया के साथ दर्जनों समाज के लोगों ने माला व साफा पहनाकर सो गई भव्य स्वागत किया गया और इस दौरान कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रदेश स्तर पर जीत चुकी है स्वर्ण पदक

अब युवा शक्ति की पसंदीदा सिंगर बन चुकी महर शर्मा उर्फ सकीना

बस्सी(रामफूल मीणा)। बस्सी क्षेत्र के ग्राम भाजुपुरा निवासी 18 वर्षीय बीपीए की छात्रा बालिका महर शर्मा उर्फ सकीना सिंगर युवा शक्ति की पसंदीदा सिंगर बन गई है कआपको बता दें कि सकीना पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने के बावजूद सरकारी नौकरी की बजाय संगीत के क्षेत्र में अपना कैरियर चुना है जो आज के युवाओं के लिए मिसाल है ' संगीतकार महर शर्मा उर्फ सकीना ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता में भी मेने प्रदेश स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुकी हूं लेकिन अब इस खेल की दुनिया को छोड़कर संगीत की दुनिया में संगीतकार बनकर परचम लहराने की ठानी है और बालिका की माता गंगा देवी गृहणी है और उनके पिताजी रामजीलाल शर्मा एक हलवाई कारीगर है। जो खेती और हलवाई का काम करके घर का गुजारा करके बच्चों का पालन पोषण करते हैं आपको बता दें सकीना संगीतकार 1 भाई और 5 बहनों में सबसे छोटी है और उनका कहना है कि उन्होंने 18 से 34 वर्ष की युवा पीढ़ी के लिए पसंदीदा संगीत "कहानी सुनो 2.0" रिलीज किया है सकीना का यह पहला गाना 2 मिनट 45 सेकण्ड का गाया है। जो हजारों लोगों का पसंदीदा संगीत बन गया है। बालिका महर शर्मा उर्फ सकीना का कहना है कि ऐसे ही सोशल मीडिया के माध्यम से लोगो का सहयोग मिलता रहेगा, तो आगे शिक्षा, देशभक्ति और धार्मिक संगीतो के माध्यम से लोगों का दिल जीत लूंगी। और अपने क्षेत्र व राज्य का नाम पूरे देश में रोशन करूंगी और बालिका महर शर्मा उर्फ सकीना संगीतकार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षक इतिहास विशेषज्ञ एंव लेखक, व्याख्याता गिर्राज मीणा हमीरपुरा को दिया है और उन्होंने बताया कि उन्हीं के आदर्शों पर चलकर उन्होंने संगीत की दुनिया में खलबली मचाकर यह मुकाम हासिल किया है।

नेतृत्व विकास उद्देश्य (एलडीएम) पर्यवेक्षक का शाहपुरा दौरा किया

भीलवाड़ा/ शाहपुरा। एआईसीसी व पीसीसी के निर्देश पर राजस्थान की अनुसूचित जाति व अल्पसंख्यक आरक्षित सीटों को मजबूत करने के लिए लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन

चलाया गया है। इस मिशन का उद्देश्य राजस्थान की अनुसूचित जाति व अल्पसंख्यक की 59 सीटों पर कांग्रेस को मजबूत करने का कार्य करेंगे। इसी मिशन को लेकर पर्यवेक्षक शबनम डायर ने शाहपुरा दौरा किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व कार्यकताओं से वन टू वन टॉक करके जमीन स्तर की जानकारी एकत्रित की। डायर का शाहपुरा पहुंचने पर ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जयंत जीनगर के नेतृत्व में गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान युवा कांग्रेस से राम सिंह मीणा, अध्यक्ष अमन पौंड्रिक, संत कुमार मीणा, मोनू जाट, रमन बैरवा, मौजूद रहे। पर्यवेक्षक डायर ने क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों से वार्ता भी की। पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर, ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप गुर्जर, राजकुमार बैरवा, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष मधु देवी पोंड्रिक, अशोक भारद्वाज, बालमुकंद तोषनीवाल, पार्षद हमीद खां कायमखानी, सेवादल अध्यक्ष जयंत जीनगर, अजय मेहता, प्रभु सुगंधी, रमजान खां, सरपंच गोपाल बैरवा से संवाद किया।

प्रथम डिपार्टमेंट चैंपियन ट्रॉफी का हुआ भव्य आयोजन

बस्सी (रामफूल मीणा)। प्रथम डिपार्टमेंट चैंपियंस ट्रॉफी 2023 का आयोजन 30 मार्च 2023 से 16 अप्रैल 2023 तक बारवाल क्रिकेट एके-डमी खेल मैदान लूनियावास में राकेश सुसावत ,दीपक शर्मा एवं आशीष शर्मा धर्मेंद्र जटावत के नेतृत्व में गठित डिपार्टमेंटल क्रिकेट कमेटी द्वारा करवाया गया इस प्रतियोगिता में कुल 16 विभागों की टीमों ने भाग लिया जिसमे फाइनल में एजुकेशन(विनोद) एवं एजुकेशन (नवीन)के मध्य खेला गया इसमें एजुकेशन (विनोद) ने विजय हासिल की फाइनल में एजुकेशन (नवीन) को 5 विकेट से पराजित किया एवं फाइनल मैच में पंकज कटारिया मैन ऑफ द मैच रहे और एजुकेशन (विनोद) के कप्तान सुमित वर्मा के नेतृत्व में यह लगातार दूसरा टूनार्मेंट जीता है इस दौरान समापन समारोह मैं मुख्य अतिथि के रूप में लोकेश सोनवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लॉ एंड ऑर्डर जयपुर एवं अन्य अतिथियों ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब अजय बेनीवाल को मिला एवं मैन ऑफ द सीरीज नवीन शर्मा रहे जगदीश मौर्य प्रधानाचार्य रा उ मा वि. मनोहरपुरा और टीम मैनेजर आर सी गुरुजी (रामचंद्र मीना) ने आयोजकों और विजेता टीम को बधाई दी और इस दौरान कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद ने सैन जयंती पर की पुष्प वर्षा, दिया सामाजिक समरसता का सन्देश

रुपेश शर्मा। सोमवार को सैन जयंती के मौके पर बजाज बाजार में सैन समाज की शोभा यात्रा पर ब्रजभूमि कल्याण परिषद के कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा कर सामाजिक समरसता का परिचय दिया ' परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) ने बताया के कार्यकताओं ने हाथ जोड़ सैन समाज के प्रमुख लोगों का अभिनंदन किया, उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की और विभिन्न झांकियों और महिला पुरुष की टोलियां पर पुष्प वर्षा की। इस मौके पर राष्ट्रीय संयोजक, डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) के साथ अलवर के जिला अध्यक्ष कैप्टन उमराव लाल सैनी नगर अध्यक्ष यशवंत कुमार गुप्ता प्रांत सचिव प्रेम प्रकाश शर्मा नगर मंत्री मनोज कुमार शर्मा गीता परिवार के जिलाध्यक्ष अश्वनी जावली थानागाजी से भाजपा नेता महावीर उपाध्याय रजनीश बांगा सहित दर्जनों की संख्या में ब्रजभूमि कल्याण परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री जूली का महाराष्ट्र राज्य का दौरा

सामाजिक न्याय विभाग के सचिव सुमंत भांगे ने राज्य सरकार की ओर से मंत्री जूली का किया स्वागत

सामाजिक न्याय विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

युवराज शर्मा (अलवर)। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं जेल विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने राय व्यक्त की है कि महाराष्ट्र राज्य के सामाजिक न्याय विभाग का कार्य उल्लेखनीय है। मंत्री जूली ने आज महाराष्ट्र राज्य का दौरा किया और मंत्रालय का दौरा करने के बाद उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और जानकारी प्राप्त की, वे उस अवसर पर बोल रहे थे। सामाजिक न्याय विभाग के सचिव सुमंत भांगे ने राज्य सरकार की ओर से मंत्री टीकाराम जूली का स्वागत किया और राज्य में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी. विभिन्न निगम, विकलांग कल्याण विभाग, भारत सरकार छात्रवृत्ति, स्वाधार योजना, तृतीयक कल्याण

योजना, वरिष्ठ नागरिक योजना, सरकारी छात्रावास, आवासीय विद्यालय आदि। समाज कल्याण आयुक्त डॉ. प्रशांत नारनवरे ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और शून्य पेंडेंसी, संचार गतिविधियों, समान अवसर केंद्र, आवासीय विद्यालय, सरकारी छात्रावास, योजनाओं के लिए गाइड, भारत सरकार की छात्रवृत्ति, प्रशासनिक सुधार, घरकुल सहित विभाग में लागू की जा रही विभिन्न नवीन गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की योजना के संबंध में विभाग द्वारा की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को इंगित किया। मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि राजस्थान सरकार ने पेंशन के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च किया है और पेंशन पंजीकरण की प्रक्रिया ढाई मिनट में पूरी हो रही है साथ ही हर साल 5 हजार इलेक्ट्रॉनिक मोटरसाइकिल विकलांग भाइयों को वितरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चे के माता-पिता की मृत्यु होने पर उन्हें भी आर्थिक सहायता दी जाती है और अंत में उन्होंने कहा कि राजस्थान में सभी योजनाओं का लाभ डीबीटी पद्धति से दिया जा रहा है। सामाजिक न्याय विभाग के सचिव सुमंत भांगे, निःशक्तता विभाग के सचिव अभय महाजन, महात्मा फुले पिछड़ा विकास निगम के प्रबंध निदेशक बिपिन श्रीमाली, समाज कल्याण आयुक्त डॉ. प्रशांत नारनवारे, बार्टी के महानिदेशक,सुनील वारे ने ऑनलाइन भाग लिया। इसी तरह लिडकॉम के प्रबंध निदेशक धम्मज्योति गजभिये, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त सचिव दिनेश डिंगल सहित सामाजिक न्याय विभाग के उप सचिव, अवर सचिव, मंत्रालय के अधिकारी मौजूद थे। तत्पश्चात मंत्री जूली ने आर्थर रोड जेल का भ्रमण किया।जेल विभाग के अधिकारियों द्वारा मंत्री जूली का स्वागत किया गया। महाराष्ट्र कारागृह में बंदियों के हित में किए गए नवाचारों की प्रशंसा करते हुए मंत्री जूली ने कहा कि राजस्थान में भी ऐसे नवाचार लागू किए जाएंगे जो बंदियों के हित में हो तथा समाज की मुख्यधारा से बंदियों को वापस जोड़ा जा सके।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

ईआरसीपी टीम का माचाड़ी मे किया भव्य स्वागत-सत्कार

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र के गढ़ीसवाईराम , पिनान और माचाड़ी कस्बे मे सोमवार को ईआरसीपी कार्यकर्ताओ का रैणी ईआरसीपी कार्यकर्ताओ ने जोरदार गजब का स्वागत किया गया। रैणी ब्लाक के ईआरसीपी कार्यकर्ताओ ने माचाडी कस्बे मे नंगेश्वर धाम पर रात देर तक भी शाम को मान सम्मान मे ब्यस्त दिखाई दिए। सुखदेव जामडोली , हेमन्त दीवान , मिनाक्शी आन्दवाडी , भागचन्द बैरेर , अशोक रामपुरा सहित अनेक कार्यकर्ताओ ने जोरदार स्वागत सत्कार किया और राजस्थान के 13 जिलो के लिए इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द लागु कराने की अपील की। उल्लेखनीय है ईआरसीपी कार्यकर्ताओ ने टोडाभीम से पैदल यात्रा शुरू की जो दिल्ली तक जायेगी जिसका जगह जगह पर जोरदार स्वागत सत्कार किया जा रहा है।

सैन महाराज की जयंती मनाई धूमधाम से मंदिर में सजाई फूल बंगला झांकी

रामगढ़/ पचवारा(वरुण कामदार। रामगढ़ पचवारा उपखंड मुख्यालय यहां सेन महाराज की 723 वी जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ सोमवार को मनाई गई। इस अवसर पर सैन महाराज मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आए लोगों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा नेता रामविलास डूंगरपुर का भी माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। और शोभायात्रा झंडा पूजन के साथ शुरू हुई । शिरोमणि श्री सैन महाराज की जयंती के उपलक्ष में कस्बे में प्रमुख मार्गो से होते हुए शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा आतिशबाजी और पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान अजय शर्मा, मुकेश रामगढ़, बाबू पेंटर, रामप्रसाद खाड़ा, ललित गुप्ता, पहलाद सैन, मुरारीलाल कल्लावास, पप्पू सैन, वीरेंद्र रामगढ़, निरंजन रामगढ़, रमेश सैन रामगढ़, सुरेश सैन अमराबाद, सुशील सैन, कन्हैया लाल, राजेंद्र जितेंद्र, विकास, दीपक, अभिषेक, ओमप्रकाश, पवन, मनीष, पवन द्विवेदी, सोनू तिवारी, राजू, कांता, उर्मिला देवी, शकुंतला, सुशीला देवी, अनोखी, गीता, हेमलता, सहित आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, सरपंच ने किया प्रोत्साहित

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर। गुसाईसर बड़ा सरपंच सत्यनारायण सारस्वत ने कहा कि प्रतिभा का हर स्तर पर प्रोत्साहन होना चाहिये। ये भारत के भविष्य है। इनसे ही प्रेरणा लेकर आने वाली पीढियां आगे बढ़ती है। ग्राम पंचायत गुसाईंसर बड़ा के सरपंच श्री सत्यनारायण सारस्वत ने अपनी ग्राम पंचायत सहित 5 गांवो (गुसाईंसर बड़ा, डेलवा, लाधड़िया, लोढेरा, मणकरासर) के सरकारी नौकरी में नवचयनित कुल 17 प्रतिभाओं को सम्मानित किया। सरपंच साहब ने प्रत्येक प्रतिभा को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और 1100/- रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किए। सरपंच साहब ने बताया की इस प्रकार के आयोजन से नए बच्चे प्रोत्साहित होकर सरकारी नौकरी की तैयारी के प्रति आकर्षित होंगे और भविष्य में विभिन्न पदों पर चयनित होकर ग्रामीण अंचल का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुवे और सभी प्रतिभाओं को बधाईयां दी। हरीश सारस्वत ने बताया की सम्मान समारोह के दौरान 7 रेलवे विभाग, 2 ग्राम विकास अधिकारी, 1 इनकम टैक्स विभाग, 2 एयरफोर्स, 2 पीटीआई, 2 राजस्थान पुलिस और 1 भारतीय सेना में चयनित प्रतिभाओं का सम्मान हुआ।

राजस्थान चेंबर के सदस्यों के लिए इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन

सचिव दिनेश कुमार कानूनगो और अपस मानद महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. अग्रवाल ने दी जानकारी

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर (सुनील कुमार पाराशर। राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों के लिए संयुक्त अरब अमीरात के उम्म अल कुवैन को ट्रेड जोन अथोरिटी के भारतीय महाद्वीप के डॉ. अरुण अग्रवाल) डेवलपमेंट मैनेजर श्री तरुण शर्मा के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में उन्होंने वहां फ्री ट्रेड जोन में भारतीय कंपनियों को उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया तथा हर संभव मदद देने का आश्वासन भी दिया एवं बताया कि वहां विभिन्न उद्योगों विशेषकर उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के मध्य लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार चल रहा है, जो सकारात्मक रूप से दोनों देशों को आर्थिक रूप से समृद्ध करने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत इन देशों से कच्चा तेल आयात करता है एवं इन देशों के जरूरत के सामान को निर्यात भी करता है। उन्होंने राजस्थान और भारतीय कंपनियों से उस जगह पर अपने व्यापार को स्थापित करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इससे व्यापार के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि अभी भी खाड़ी देशों के साथ व्यापार करने की अपार संभावनाएं व्याप्त है। इस अवसर पर राजस्थान चेंबर के मानद महासचिव डॉ अरुण अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।अंत में डॉ जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

अहीर रेजिमेंट के लिए संघर्ष जारी रखने का प्रो.सी.बी.यादव ने किया आव्हान

चौमूं क्षेत्र से 50,000 से अधिक लोगों ने अहीर जनजागृति सम्मेलन में की शिरकत

अहीर रेजिमेंट हक हमारा, कंधे पर हो नाम हमारा" नारो से गूंजा आसमान

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर/चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। अहीर जागृति महासम्मेलन की अभूतपूर्व सफलता पर इस आयोजन की केंद्रीय भूमिका में रहे चौमूं विधानसभा निवासी एवं राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर सी.बी.यादव ने क्षेत्र के सभी समाज बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक चेतना एवं अहीर रेजिमेंट की मांग की लड़ाई को निरंतर जारी रखने का आव्हान किया है। यादव जाति के इस महासम्मेलन में पूरे प्रदेश से तीन लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया लेकिन इसमें चौमूं विधानसभा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा यहां से 50,000 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की। प्रोफेसर सी बी यादव ने इस महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन में मुख्य रूप से अहीर रेजिमेंट की मांग के साथ साथ, श्री कृष्ण विकास बोर्ड के गठन, रेजांगला के वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान को एनसीईआरटी की पाठ्यक्रम स्थान दिलाने, राजनीतिक दलों से टिकटों में उचित प्रतिनिधित्व दिलवाने, राव तुला राम की जयंती 23 सितंबर को राजकीय अवकाश घोषित करने एवं न्यू सांगानेर रोड का नाम रेजांगला मार्ग घोषित करने सहित कई मांग मंच से समाज द्वारा रखी गई। अहीर रेजिमेंट की मांग कोई आरक्षण की मांग नहीं है बल्कि यह यादव समाज के वीर शहीद सैनिकों को सम्मान देने की मांग है। केंद्र सरकार खुद देर सवेर यह मांग यादव समाज की पूरी करनी पड़ेगी अन्यथा इसे लेकर पूरे देश में एक व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी कांग्रेस पार्टी का अहम हिस्सा होने के कारण सरकार से इन मांगों को पूरा करने का दबाव बनाएंगे। चौमूं क्षेत्र से हजारों की संख्या में वाहन रैली के यादव महासभा के तहसील अध्यक्ष भगवान सहाय धांसिल की अगुवाई में इस अहीर जन जागृति सम्मेलन में यादव समाज के लोग "अहीर रेजिमेंट हक हमारा, कंधे पर हो नाम हमारा"नारों के साथ ढोल नगाड़ा पर नाचते गाते हिस्सा लिया। इस महासम्मेलन में आरएलपी महामंत्री छुट्टन यादव, विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव, डॉक्टर राम नारायण यादव, डॉ. योगेश यादव, डॉ. सीमा यादव, समाजवादी पार्टी की महिला अध्यक्ष वंदना यादव, धोबलाई के पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव, एडवोकेट भींवाराम यादव, जय किसान आंदोलन के अध्यक्ष विमल कुमार यादव, यूथ फॉर किसान के अध्यक्ष सोहन लाल यादव, दिनेश यादव, नरेंद्र यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अर्जुन यादव, अरविंद यादव, अनुज यादव, मुलायम सिंह यादव, गजेंद्र यादव,ताराचंद यादव, युवा नेता सुरेश यादव सहित हजारों यादव समाज के पदाधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के शीर्ष नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

पुलिस स्थापना दिवस पर थानाधिकारी का किया गया नागरिक अभिनन्दन

विजयनगर/ रामकिशन वैष्णव। स्थानीय राजनगर में पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया' जिसमें थानाधिकारी दिनेश कुमार चौधरी का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस द्वारा राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति आमजन में पुलिस में बढते विश्वास की चर्चा की गई। पूर्व जिला सीएलजी सदस्य एवं वरिष्ठ पार्षद मूल सिंह राठौड़ सहित ने सीआई दिनेश कुमार चौधरी का साफा एवं माला से अभिनंदन किया । इस दौरान जैव विविधता समिति अध्यक्ष तरुण कच्छावा, लायंस क्लब रॉयल समाजसेवी राजेंद्र पामेचा पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, नगर विकास समिति महामंत्री चतर सिंह पीपाड़ा, उपाध्यक्ष एडवोकेट गोविंद नारायण शर्मा, मंत्री हाजी अरवत्यार अली, पार्षद व सदर मोहम्मद दाउद कुरैशी, पार्षद नौशाद मोहम्मद, पार्षद शहजाद मंसूरी उस्मान खान, पार्षद दुलीचंद बेरवा, पार्षद गुड्डू भाई कुरेशी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रईस शेख, शिवराज जागीड़, मास्टर मुमताज अली, पीरू उस्ताद, सेवादल जिला उपाध्यक्ष रामलाल नगवाड़ा, पत्रकार प्रेमचंद पीपाड़ा, हनुमंत पीपाड़ा सहित प्रबुद्ध नागरिक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे कार्यक्रम के संयोजक शम्भू खान पठान ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शांति समिति सदस्य मास्टर अरवत्यार अली ने पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सेवारत जवानों द्वारा 24 घंटे आठो पहर जिम्मेदारी पूर्ण सेवा की सराहना की। थानाधिकारी दिनेश कुमार चौधरी ने आमजन के लिए कर्तव्य निर्वहन का संकल्प दोहराया।

आम रास्ते पर दीवार खींचकर किया अवरुद्ध

अतिक्रमण हटाने के लिए वार्ड वासियों ने दिया ज्ञापन

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 30 व 32 की सीमा पर स्थित आम रास्ते पर अतिक्रमणकारी द्वारा दीवार खींचकर रास्ते को अवरुद्ध किया गया जिससे भैरुजी मोक्ष धाम आने वाली शवयात्राओं सहित शिक्षण संस्थान में जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रींगस नगर पालिका प्रशासन की ढीली कार्यशैली के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं वहीं वार्ड वासियों ने नगर पालिका की कार्यशैली के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए नगरपालिका पहुंचकर अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत व सहायक अभियंता मामराज जाखड़ को मामले से अवगत करवाया जिसके बाद सहायक अभियंता मामराज जाखड़ मौके पर पहुंचकर स्थिति से वाकिफ हुए और उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की। इस दौरान डॉ अजय सक्सेना, रघुनाथ निठारवाल, रामेश्वर लाल शर्मा, विनोद गुर्जर, रामेश्वर बावलिया, नारायण मेहता, अर्जुन निठारवाल, कमलेश लौच्छिब, मुकेश गुर्जर, शेर सिंह निठारवाल, सुनील गुर्जर, बीरबल निठारवाल, नाथू योगी आदि मौजूद थे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

साउथ स्टार सूर्या ने फैंस के बीच बढ़ाई हलचल...

चेन्नई। साउथ के जाने-माने स्टार सूर्या शिवकुमार अपनी 42वीं फिल्म को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में इस फिल्म का नाम सामने आया। इस फिल्म का नाम 'कंगुवा' रखा गया है। सूर्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल लुक शेयर किया। जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। उन्होंने फिल्म से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है, जो काफी शानदार है। सूर्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मिनट 13 सेकंड का लंबा टीजर वीडियो साझा किया। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, 'इस शक्तिशाली गाथा पर शिव और टीम के साथ काम करने में बेहद खुशी। टाइटल लुक शेयर करते हुए खुशी हो रही है।

लाइफ Style

राधिका

'सना' का डंका

एजेंसी ⏭ मुंबई

राधिका मदान की अपकमिंग फिल्म 'सना' को 11 मई से 14 मई तक आयोजित होने वाले 23वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। यह नॉर्थ अमेरिका का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल है, जिसमें भारत और प्रवासी भारतीयों के सिनेमा को दिखाया जाता है।

फिल्म 'सना' की बात करें तो इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया ने किया है। राधिका मदान स्टारर इस मूवी में 28 साल की महिला की कहानी देखने को मिलेगी, जो अनसुलझे ट्रॉमा की वजह से कई आंतरिक लड़ाई से जूझती है। वहीं, फिल्म को 23वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक सलेक्शन मिलने से इसके डायरेक्टर सुधांशु सरिया बेहद खुश हैं। सुधांशु सरिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा है, 'न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रतियोगिता के लिए 'सना' का चयन करना एक बड़ा सम्मान है। यह फेस्टिवल स्वतंत्र सिनेमा का एक पुराना चैंपियन रहा है, और हम इसे लेकर रोमांचित हैं। हमारी फिल्म इस तरह के बेहतरीन कार्यों के साथ प्रदर्शित हुई। मैं फेस्टिवल में भाग लेने और साथी फिल्म निर्माताओं और दर्शकों के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूं।' 'सना' को इससे पहले 26वें तेलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल और 38वें सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। यह ओपनिंग फिल्म के रूप में 25वें यूके एशिया फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए भी तैयार है। फिल्मकार सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'सना' का सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में नॉर्थ अमेरिकन प्रीमियर होगा।

हॉलीवुड मसाला

छात्रों को बंद करने का लगा आरोप

कैलिफोर्निया। किम कार्दशियां के पूर्व पति और रैपर कान्ये वेस्ट एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। कान्ये पर उनके प्राइवेट स्कूल में बच्चों को सिर्फ सुशी खिलाने और उन्हें कमरे में बंद करने का आरोप लगा है। इसके अलावा, उनपर उन पर कई स्वास्थ्य और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। कान्ये कैलिफोर्निया में एक प्राइवेट क्रिश्चियन प्रेप स्कूल चलाते हैं। कई रिपोर्ट में दावा किया गया कि स्कूल में सफाई सेवाओं पर प्रतिबंध है, दरवाजे बाहर से बंद रहते हैं।

सिंगर जेसन डेरुलो के साथ इंटरनेशनल प्रोजेक्ट की तैयारी

मुंबई। इंटरनेशनल स्टार और अमेरिकी सिंगर जेसन डेरुलो ने 'टॉक डर्टी टू मी', 'विगल विगल', 'स्वल्ला' और 'ट्रम्पेट' जैसे सुपरहिट गाने दिए हैं। वह एक प्रोजेक्ट के सिलसिले में मुंबई में हैं। जेसन हाल में बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के साथ स्पॉट हुए। दोनों को बांद्रा में स्पॉट किया गया। कहा जा रहा है कि उर्वशी और जेसन एक इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में साथ काम करेंगे। ये म्यूजिक वीडियो बहुत जल्द ही रिलीज होगा। जेसन डेरुलो ने भारत आने से पहले ही उर्वशी रौतेला के अलावा कई अन्य भारती सेलेब्स से बातचीत कर चुके हैं। उर्वशी और जेसन इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो 'जानू' में साथ काम करेंगे। उर्वशी ने इसकी एक झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है।

उड़ रही अफवाहों पर पूजा ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म तक धमाल मचाने वाली खूबसूरत अभिनेत्री में से एक पूजा हेगड़े इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह इस समय अपनी आगामी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की वजह से चर्चाओं में बनी हुई हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ पहली बार काम कर रहीं पूजा हेगड़े 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। ऐसे में अभिनेत्री लगातार इंटरव्यू दे रही हैं। एक ऐसे ही इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने प्रोड्यूसर द्वारा कार गिफ्ट करने वाली अफवाह पर चुप्पी तोड़ी है। इससे पहले अभिनेत्री को लेकर एक अफवाह भी बहुत तेजी से उड़ी थी कि वह और सलमान खान एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, बाद में अभिनेत्री ने इन अफवाहों को सिरे से नकारते हुए बताया था कि वह अभी सिंगल हैं। बात केवल यहीं नहीं रुकती है।

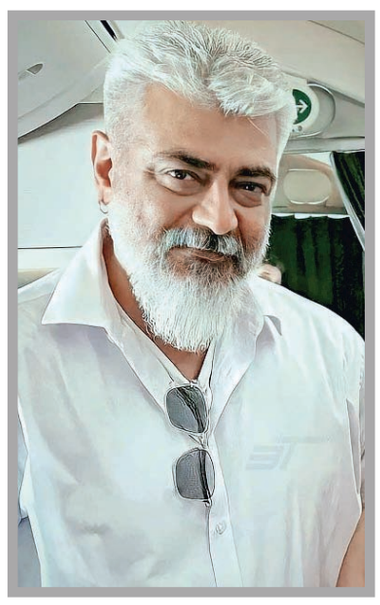

दरियादिली के मुरीद हुए उनके फैंस

चेन्नई। तमिल सिनेमा के मशहूर एक्टर अजीत कुमार अपनी जिंदादिली के चलते एक बार फिर से फैंस के दिलों को जीत लिया है। सोशल मीडिया पर उनकी जमकर चर्चा हो रही है। दरअसल, अजीत कुमार ने लंदन एयरपोर्ट पर एक शादीशुदा महिला की मदद की, जो अपने बच्चे के साथ अकेले ट्रैवल कर रही थी। अजीत ने ना केवल महिला के बैग्स को उठाया बल्कि उसके साथ पोज देकर फोटो भी खिंचवाई। हाल ही में एक पोस्ट के कारण अजीत कुमार लाइमलाइट में आ गए हैं। इसके वायरल होते ही उनके फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। दरअसल एक सोशल मीडिया यूजर ने खुलासा किया है कि उनकी पत्नी की अजित के साथ एक मुलाकात हुई थी और वो उनके सरल स्वभाव से काफी प्रभावित हुईं।

टीवी मसाला

कमाई के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस को भी मात देती हैं ये टीवी स्टार्स...

मुंबई। बॉलीवुड के समक्ष टीवी आज भी छोटे पर्दे के रूप में ही दर्शकों के सामने पेश किया जाता है। आज कल किसी फिल्म से ज्यादा एक्टर्स के फीस की चर्चा ज्यादा देखने को मिलती है। टीवी को दर्शकों ने हमेशा ही कम आंका है, हालांकि आज के समय में टेलीविजन बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है और फिल्म इंडस्ट्री को भी कड़ी टक्कर दे रहा है। टीवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण अब दर्शकों के बीच टीवी स्टार्स की मांग बढ़ गई है। आज के इस लेख में हम आपको उन टीवी स्टार्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड के छोटे-मोटे यहां तक कि स्थापित हीरो-हीरोइन से कहीं ज्यादा है।

रूपाली गांगुली : टीवी की 'अनुपमा' यानी रूपाली गांगुली अपने मां के किरदार से ऑडियंस के बीच अच्छी खासी लोकप्रियता बटोर रही हैं। उनका सीरियल 'अनुपमा' दर्शकों के बीच काफी देखा जाता है। इस शो ने रूपाली के स्टारडम में चार चांद लगा दिया है। गौरतलब है कि रूपाली एक एपिसोड का दो से ढाई लाख रुपये चार्ज करती हैं और अभी तक सबसे ज्यादा डिमांडिंग अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी : टीवी की सबसे चर्चित अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी आज भी अपने अभिनय के लिए दर्शकों के बीच अच्छी खासी लोकप्रियता बटोरती है। दिव्यांका को सीरियल 'ये है मोहब्बतें' से ऑडियंस के बीच पहचान मिली है। आपको बता दें कि दिव्यांका 80000 से एक लाख तक प्रति एपिसोड फीस चार्ज करती हैं। दिव्यांका टीवी की डिमांडिंग अभिनेत्रियों में से एक हैं।

हिना खान : हिना खान टीवी ही नहीं बल्कि बॉलीवुड की भी जानी मानी अभिनेत्री हैं। हिना को 'बिग बॉस 11' से दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल हुई थी। हालांकि, हिना यह शो हार गई थीं, लेकिन हारने के बावजूद वे शिल्पा शिंदे से ज्यादा चौकस घर ले गईं। आपको बता दें कि हिना खान प्रति एपिसोड एक लाख से 1.25 लाख चार्ज करती हैं। हालांकि, अभी उन्होंने टीवी शोज से दूरी बनाई हुई है।

अंकिता लोखंडे :एक समय ऐसा था, जब अंकिता लोखंडे का सीरियल पवित्र रिश्ता दर्शकों के बीच काफी देखा जाता है। इस सीरियल से ही अंकिता को असल पहचान मिली थी। हालांकि, बाद में अंकिता ने बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू किया था। आपको बता दें कि अंकिता प्रति एपिसोड 90000 से 1.5 लाख प्रति एपिसोड डिमांड करती हैं।

एनटीआर 30 में दिखेगा जूनियर एनटीआर का डबल रोल...

बेंगलुरू। साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की तीसवीं फिल्म यानी एनटीआर 30 का फैंस के बीच अभी से ही क्रेज देखने को मिल रहा है। लगातार फैंस फिल्म से जुड़े अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। अब खबर है कि बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रहे हैं। हालांकि फिल्म की टीम की ओर से अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की गई है। 'आरआरआर' की दमदार सफलता के बाद अब जूनियर एनटीआर इस फिल्म से फैंस का दिल जीतने आ रहे हैं। यह एक अखिल भारतीय फिल्म होगी यानी यह देश भर में तमिल, तेलुगू और अन्य साउथ भाषा समेत हिंदी में भी रिलीज होगी। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। वहीं, अब सैफ अली खान के भी शामिल होने की उम्मीद है। खबर है कि सैफ अली खान को पहले ही फिल्म के लिए साइन कर लिया गया है। फिल्म के तीसरे शेड्यूल में सेट पर उनके शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर, ऐसा होता है तो यह फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी होगी। हालांकि, इस खबर के बाद से सैफ के फैंस सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। फैंस के लिए एक बड़ा अपडेट यह है कि फिल्म में उन्हें जूनियर एनटीआर का डबल रोल देखने को मिल सकता है।

बुढ़ापे में रचाई शादी, कोई 60 में बनीं दुल्हन तो कोई 70 में चढ़ा घोड़ी

मुंबई। कहते हैं कि प्यार करने वाले ना उम्र देखते हैं और ना ही रूप रंग। फासला चाहे उम्र का हो या परिवार का इन प्यार करने वालों को कोई नहीं रोक सकता है। हालांकि, आप भी यही सोच रहे होंगे कि यह तो फिल्मों में ही होता है, जहां दादा-दादी, नाना-नानी बनने की उम्र में लोग शादी करते हैं, लेकिन इस कहानी में एक ट्विस्ट है। आज हम आपको कुछ ऐसे सेलिब्रिटी कपल्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने परिवार और समाज की परवाह न करते हुए 50 की उम्र के बाद अपना घर बसाया है। तो चलिए जानते हैं उन कपल्स के बारे में।

कबीर बेदी : *बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता कबीर बेदी अपनी फिल्मों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अभिनेता ने 70 की उम्र में चौथी बार शादी रचाई है। बताते चलें कि अभिनेता और उनकी पत्नी की उम्र में 30 साल का फासला है। हालांकि, अभिनेता*

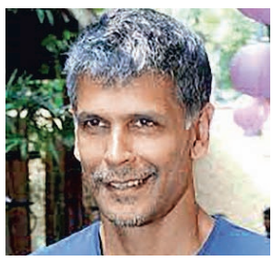

और उनकी पत्नी ने समाज की परवाह नहीं की और अपने रिश्ते को बेबाकी से दुनिया के सामने रखा। कबीर ने साल 2016 में शादी की थी।

सुहासिनी मुले : *अभिनेत्री सुहासिनी मुले अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। सुहासिनी के अभिनय के आज भी लाखों लोग दीवाने हैं। सुहासिनी मुले ने 60 की उम्र में दुल्हन बनने का फैसला लिया था। अभिनेत्री ने अपने फेसबुक फ्रेंड से शादी की थी। आपको बता दें कि सुहासिनी ने अपनी शादी का खुलासा चार साल बाद किया था।*

नीना गुप्ता : *अभिनेत्री नीना गुप्ता आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। नीना की जिंदगी काफी उतार चढ़ाव से भरी हुई थी। नीना एक लीव इन रिलेशन में रहती थीं, जिससे उन्हें एक बेटी भी हुई थी फिर अपनी बच्ची की अकेले परवरिश करना उनके लिए काफी मुश्किलों भरा रहा है। नीना गुप्ता ने फिर 54 की उम्र में जाकर विवेक मेहरा से शादी की थी।*

मिलिंद सोमन : *अभिनेता मिलिंद सोमन को कौन नहीं जानता है। मिलिंद के फिटनेस वीडियो अकसर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अभिनेता अपनी फिटनेस को लेकर फैंस के बीच छाए रहते हैं। आपको बता दें कि मिलिंद ने 52 की उम्र में 26 साल छोटी अंकिता कोंवर से शादी की थी। मिलिंद के इस फैसले ने सोशल मीडिया की दुनिया में तहलका मचा दिया था।*

अभिनेत्री बिंदु ने खलनायिका से लेकर सभी तरह की भूमिकाएं की फिल्मों में

बिंदिया चमकी-चूड़ी खनकी और चमक उठा बिंदु का करियर

मुंबई। खलनायिकाओं के किरदार में 'बिंदु' ने भी अपनी अलग पहचान बनाई। सिल्वर स्क्रीन पर बिंदु भले ही एक क्रूर महिला का किरदार अदा करती थीं, लेकिन असल जिंदगी में उनकी जैसी अदाकारा चिराग लेकर भी ढूंढने से नहीं मिलेगी। अभिनेत्री बिंदु का जन्म 17 अप्रैल 1941 को एक गुजराती परिवार में हुआ। पिता नानक भाई देसाई अपने भाइयों के साथ मिलकर फिल्में बनाते थे। बिंदु घर में भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी और परिवार में 6 बहनें और एक भाई थे। अचानक उनके पिता का देहांत हो गया, तब बिंदु की उम्र केवल 13 बरस थी। बिंदु ने तब मॉडलिंग शुरू की। फिर 1962 में डायरेक्टर मोहन कुमार की सुपरहिट फिल्म 'अनपढ़' में काम करने का मौका मिला।

इस बीच उनकी मुलाकात चंपक लाल झवेरी से हुई। चंपक उनकी बिल्डिंग के पीछे ही रहते थे और उनकी बहन बिंदु की खास दोस्त थी, इसलिए घर आना-जाना था। आखिरकार 1964 में बिंदु की शादी चंपक लाल झवेरी से हो गई। तीन दिन तक शादी का जश्न चला, लेकिन उसके बाद घरवालों ने आंखें फेर लीं और पति को पुश्तैनी बिजनेस से भी बेदखल कर दिया गया। इसके कुछ साल बाद बिंदु की छोटी बहन का विवाह प्रख्यात संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी के लक्ष्मीकांत कुंडालकर से हो गई। एक दिन बिंदु अपनी बहन के साथ रिकार्डिंग स्टूडियो में थी। वहां पर राज खोसला भी थे। उन्होंने लक्ष्मीकांत से पूछा ये कौन है? उन्होंने बताया कि बिंदु मेरी साली है।

राज खोसला ने पूछा, फिल्मों में काम करोगी? बिंदु ने हां कह दिया। वो बोले, मैं एक फिल्म बनाने वाला हूं, 'दो रास्ते' उसमें निगेटिव रोल है। बिंदु ने हां कह दी। 15 दिन बाद वे फिल्म 'मेरा साया' की शूटिंग पर थे और संदेश आया कि आ जाओ, तुम्हारा स्क्रीन टेस्ट लेना है। बिंदु वहां पहुंची और उन्होंने एक डॉयलाग दिया। बिंदु ने खूब तैयारी की और डॉयलाग एक ही शॉट में कहा। 'कट' के साथ वो सिंगल टेक का शॉट खत्म हुआ और उनके काम के लिए तालियां बजीं। इस तरह बिंदु को फिल्म 'दो रास्ते' में एंट्री मिल गई।

स्टूडियों में गीतों की जब रिकॉर्डिंग होती तो बिंदु भी वहां होती। बिंदु कहती हैं-जब 'बिंदिया चमकेगी, चूड़ी खनकेगी, तेरी नींद उड़े तो उड़ जाए, कजरा बहकेगा' की रिहर्सल चलती तो गीतकार आनंद बख्शी मुझे चिढ़ाते कि ये गाना भले ही मुमताज के लिए बना है, लेकिन देखना इसमें बिंदु चमकेगी...और हुआ भी वही।

आज जन्मदिन

बिंदु की बहुचर्चित फिल्में

अनपढ़ (1962), औरत (1967), आया सावन झूम के (1969) ,इत्तेफाक (1969), कटी पतंग (1970), अमरप्रेम (1971) मेरे जीवनसाथी (1972), धर्मा (1973), जंजीर (1973), हवस (1974), इम्तिहान (1974), अर्जुन पंडित (1976), दस नंबरी (1976) ,नहले पर दहला (1977) ,देस परदेस (1978), खानदान (1979), शान (1980) , लावारिस (1981) ,नसीब (1981), प्रेमरोग (1982), हीरो (1983), कर्मा (1986) , आंखे (1993) , हम आपके हैं कौन (1994) , जुड़वां (1997) , बनारसी बाबू (1998), मैं हूं ना (2004) , ओम शांति ओम (2007) मेहबूबा (2008)

अनपढ़ (1962) में माला सिन्हा के साथ बिंदु

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

हॉलीडेज में करें रेस्ट-एंज्वॉय
सुधरेगी हेल्थ-बढ़ेगी प्रोडक्टिविटी

वर्किंग डेज के बिजी रूटीन के बाद वीकली ऑफ या हॉलीडेज का इंतजार सभी लोगों को रहता है। इस दौरान अगर आप घर के कामों में बिजी रहने के बजाय रेस्ट करते हैं या एंज्वॉय करते हैं तो इसका आपकी हेल्थ और वर्क प्रोडक्टिविटी पर पॉजिटिव असर पड़ता है, ऐसा कई स्टडीज में सामने आया है। इसलिए जब भी अपने रूटीन वर्क से ब्रेक मिले तो खूब आराम करने के साथ भरपूर एंज्वॉय कीजिए।

{ लाइफस्टाइल / अपराजिता }

यह बात हम सब जानते हैं कि आजकल की भागदौड़ भरी व्यस्त जीवनशैली में छुट्टियां हमें सुकून देती हैं, तनाव कम करती हैं और तरोताजा भी रखती हैं। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि हमें छुट्टियों के ये सब फायदे तभी मिलते हैं, जब हम इस दौरान सचमुच आराम करते हैं, फैमिली मेंबर्स और दोस्तों के साथ मस्ती करते हैं या उनके साथ कहीं घूमने-फिरने जाते हैं। अगर हम छुट्टियों में डेली रूटीन से भी ज्यादा घर-बाहर के काम करते हैं तो ये हमें साइकोलॉजिकली भले एक्साइटेड करें, भले हमें इनका मिलना अच्छा लगे, लेकिन हमें छुट्टियों के वे तमाम फायदे नहीं मिलते, जिनके बारे में स्टडीज में दावा किया जाता है।

छुट्टी में काम से बढ़ता है तनाव

अमेरिका में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि अगर हम छुट्टियों के दौरान घर में रहते हुए वर्किंग डेज के मुकाबले ज्यादा काम करते हैं तो हमें इन छुट्टियों का कोई मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ तो मिलता ही नहीं है, इसके उलट हम कहीं ज्यादा तनाव से भर जाते हैं। ब्लड प्रेशर ज्यादा हो जाता है और सामान्य दिनों से भी कहीं ज्यादा अनमनापन और बेचैनी छा जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार अगर हम अपनी छुट्टियों को वाकई एंज्वॉय करते हैं तो हमारी 70 से 80 फीसदी ब्लड प्रेशर की समस्या खत्म हो जाती है। वहीं 70 से 80 फीसदी तक हमारी नींद की गुणवत्ता बढ़ जाती है। जो लोग अकसर मूड स्विंग का शिकार होते हैं, ऐसे लोगों में 50 फीसदी से ज्यादा का मूड स्विंग सही हो जाता है। यह भी देखने को मिला है कि छुट्टियों से कोलेस्ट्रॉल लेवल भी कंट्रोल में रहता है।

सुधरती है वर्क क्वालिटी

अमेरिका में इस बारे में भी व्यापक सर्वे हुए हैं कि हॉलीडेज के बाद वर्क क्वालिटी पर क्या पॉजिटिव असर पड़ता है? स्टडी में पाया गया है कि छुट्टियों के पहले और छुट्टियों के बाद वर्किंग प्रोफेशनल्स की प्रोडक्टिविटी में 20 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। छुट्टी से लौटने के बाद व्यक्ति का अपने काम में 50 फीसदी तक ज्यादा और बेहतर फोकस बनता है। इसकी वजह यह है कि हम मानसिक रूप से मजबूत होते हैं और ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

छुट्टियों में भी निपटाते हैं काम

छुट्टियां एंज्वॉय करने के इतने फायदे जानने के बावजूद भारत और लगभग पूरे दक्षिण एशिया के देशों में आमतौर पर 90 फीसदी लोग छुट्टी वाले दिन या साप्ताहिक अवकाश में सप्ताह के बाकी बचा काम करते हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि छुट्टियों वाले दिन लोग काम-काजी दिनों के मुकाबले कहीं ज्यादा थक जाते हैं। यही कारण है कि भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि एशियाई देशों में लोगों के बीच छुट्टियों को लेकर वैसा क्रेज या उत्साह देखने को नहीं मिलता, जो पश्चिमी देशों के लोगों में होता है। भारत समेत अन्य एशियाई देशों में छुट्टियों को लेकर आम लोगों के नजरिए को इस बात से भी समझा जा सकता है कि अभी पिछली सदी के आखिरी दशक तक 90 फीसदी लोग अपनी अर्न लीव कैश कराते थे यानी, जिन छुट्टियों के एवज में कंपनी भुगतान करने की सुविधा देती है, अभी एक-दो दशक पहले तक 90 फीसदी से ज्यादा हिंदुस्तानी वो छुट्टियां नहीं लेते थे बल्कि उनके बदले में पैसा लेते थे। हालांकि अब इस चलन में बदलाव आया है।

पश्चिमी देशों में करते हैं छुट्टियां एंज्वॉय

हॉलीडेज में रेस्ट और एंज्वॉयमेंट की इंपॉर्टेंस को समझते हुए अमेरिका समेत दुनिया के ज्यादातर विकसित देशों में लोग

छुट्टियों में काम करने की बजाय अधिक से अधिक आराम करते हैं, मस्ती करते हैं। अपने परिवार के लोगों के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हैं, अच्छा खाना खाते हैं, घूमते-फिरते हैं और दोस्तों के संग टाइम बिताते हैं। ऐसा करने से उनको छुट्टियों के वे सारे फायदे मिलते हैं, जिसके लिए छुट्टियां जानी जाती हैं।

वर्क प्रेशर से रहिए दूर

हॉलीडेज में रेस्ट और एंज्वॉय करने के यहां बताए गए तमाम फायदे जानने के बाद यही निष्कर्ष निकलता है कि जब भी आपको छुट्टियां मिलें तो बिना अतिरिक्त लालच पाले कि इन छुट्टियों में हम अधिक से अधिक काम कर लें, ज्यादा से ज्यादा शरीर को आराम देना चाहिए और दिमाग को जिम्मेदारियों से मुक्त रखना चाहिए। इसके हमें बहुत सारे शारीरिक और मानसिक लाभ मिलते हैं। इससे ना सिर्फ एंप्लॉई को फिजिकल मेंटल हेल्थ का लाभ होता है बल्कि एंप्लॉयर को भी इसका फायदा मिलता है। क्योंकि आराम और मस्ती करके छुट्टियां बिताने के बाद काम पर लौटने वाला कर्मचारी अपने पहले के मुकाबले ना सिर्फ ज्यादा बल्कि बेहतर काम करते हैं यानी छुट्टियों पर जाने से वर्क प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है, जिसका फायदा एंप्लॉयर को मिलता है। इसलिए छुट्टियां दोनों के हित में है, बशर्ते जब छुट्टियां मिलें तो वाकई हम इनमें आराम करें। परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं, दोस्तों के साथ गप्पें मारें, घूमे-फिरें और मन भरके अपने पसंदीदा व्यंजनों का स्वाद लें। ये सब गतिविधियां हमें स्वस्थ रखती हैं और मानसिक रूप से तरोताजा भी। *

सक्सेस सीक्रेट्स खोजने हों या सेल्फ इंप्रूवमेंट के तरीके, इन्हें जानने के लिए अधिकतर टीनएजर्स और यंगस्टर्स सेल्फ हेल्प बुक्स की हेल्प लेते हैं। लेकिन वास्तव में ये किताबें हमारे लिए कितनी हेल्पफुल होती हैं, यह जानना जरूरी है।

कितनी इफेक्टिव होती हैं
सेल्फ हेल्प बुक्स !

{ मोटिवेशन / वीना गौतम }

इसमें कोई दो राय नहीं है कि किताबें हमारी जानकारियों को बढ़ाती हैं, हमारी सोच को विस्तृत करती हैं और हमें वह तरकीब और कुशलता प्रदान करती हैं, जिससे हम अपने जीवन की किसी भी चुनौती से बेहतर ढंग से निपट पाते हैं। यानी, किताबें हमें फायदा पहुंचाती हैं और इन्हें हमें जरूर पढ़ना चाहिए। लेकिन क्या किताबें वाकई हमें पूरी तरह से बदलकर रख देती हैं? अगर आप इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहे हैं तो इसका जवाब है 'नहीं'। कोई भी किताब बिना आपके कुछ किए, आपका कायाकल्प नहीं कर सकती है।

खूब बिकती हैं मोटिवेशनल बुक्स : केवल अपने देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में मोटिवेशनल बुक्स की मार्केटिंग का यह कमाल है कि जहां बाकी किताबें या तो नकारात्मक दर से बाजार में अपने दिन काट रही हैं या फिर बहुत मामूली दर से आगे बढ़ रही हैं, वहीं सेल्फ हेल्प बुक्स, भारत के बाजार में 300 फीसदी से ज्यादा की रफ्तार से अपनी जगह बना रही हैं। सवाल उठता है कि सेल्फ हेल्प बुक्स की इतनी डिमांड क्यों है? निश्चित रूप से यह इनके चमकदार विज्ञापन का तरीका, भारत जैसे देश में बड़े पैमाने पर बढ़ी बेरोजगारी और युवाओं में दिन पर दिन बढ़ते तनाव-हताशा का नतीजा है।

सोच बनाती हैं पॉजिटिव : मार्केटिंग से अलग इन किताबों से जुड़ा एक अन्य पहलू भी है। अगर आप वाकई कड़ी मेहनत करने से घबराते नहीं हैं, ईमानदारी से अपनी जिंदगी के सफर में सफलता की ओर बढ़ना चाहते हैं तो सौ फीसदी ये किताबें आपके काम की हो सकती हैं। वास्तव में ऐसी किताबें कोई जादू नहीं करतीं, आपको एक तरह से उत्साहित भर करती हैं। आपकी सोच को अपने भरपूर प्रयास से सकारात्मक बनाने की कोशिश करती हैं। ये किताबें बताती हैं कि मेहनत, मेहनत और मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। लेकिन अगर आप इनके इस संदेश को पढ़कर भी अपने ढंग से मेहनत करना शुरू नहीं करते बल्कि ये सोचते हैं कि यह किताब मैंने पढ़ लिया, अब मुझे इस किताब के पढ़ने के तमाम फायदे मिल ही जाएंगे, ऐसे किसी और को नहीं बल्कि खुद को ही अंधेरे में रखते हैं।

निर्णय लेने को करती हैं इंस्पायर : मोटिवेशनल किताबें, ऐसे जिज्ञासु लोगों के लिए उपयोगी होती हैं, जो अनजाने में उस रास्ते को भूले बैठे हैं, जिस पर उन्हें आगे बढ़ना है। ऐसे लोगों को ये किताबें प्रेरित करती हैं और जिस निर्णय को लेने से वे हिचक रहे होते हैं, उस निर्णय को लेने में ये किताबें इंस्पायर करती हैं। मसलन-एक मशहूर सेल्फ हेल्प बुक 'द पावर ऑफ नाउ' आपको बार-बार सिर्फ एक बात बताती है कि काम करना इसलिए जरूरी है कि यह दूसरों को नहीं अपने आपको भी खुशी देता है और गर्व महसूस करने का भाव हममें पैदा करता है। निश्चित रूप से कड़ी मेहनत और अच्छे काम की सराहना होती है। अगर देखा जाए तो यह कौन-सी ऐसी अनोखी बात है, जो पहली बार किसी सेल्फ हेल्प बुक में कही गई है। अगर हम बड़े और महान लोगों की बातें सुनें तो सौ में से 99 फीसदी बड़े लोग यही कहते हैं। इसलिए यह इस किताब का जादू नहीं है बल्कि यह हमारे अंदर मौजूद उस दृढ़ता का जादू है, जो इस लिखी हुई बात पर भरोसा करके पूरी तरह से उस पर अमल करती है।

बढ़ाती हैं हौसला-आत्मविश्वास : सेल्फ हेल्प बुक्स निश्चित रूप से फायदेमंद होती हैं, एक नहीं, कई तरीके से। ये हमें आईना दिखाती हैं। ये किताबें हममें हिम्मत बढ़ाती हैं। हौसला देती हैं और बताती हैं कि दुनिया में जिन लोगों ने सफलताएं हासिल की हैं, वे भी हमारे जैसे ही होते हैं। इस तरह ये किताबें मेहनत करने के पक्ष में निर्णय करने के लिए हमें उकसाती हैं। ये किताबें बताती हैं कि अगर हम मेहनत नहीं करेंगे तो सफलता नहीं मिलेगी, इसलिए ये किताबें सिर्फ हमें सफल ही नहीं बनातीं, बल्कि अगर हम किसी प्रयास में असफल भी हो जाएं तो हमें टूटने और निराश होने से बचाती हैं। लेकिन ये किताबें इस लिहाज से अनुपयोगी हैं, अगर हम सोचते हैं कि इनको पढ़ने से ही सफलता हमारे कदम चूमेगी। *

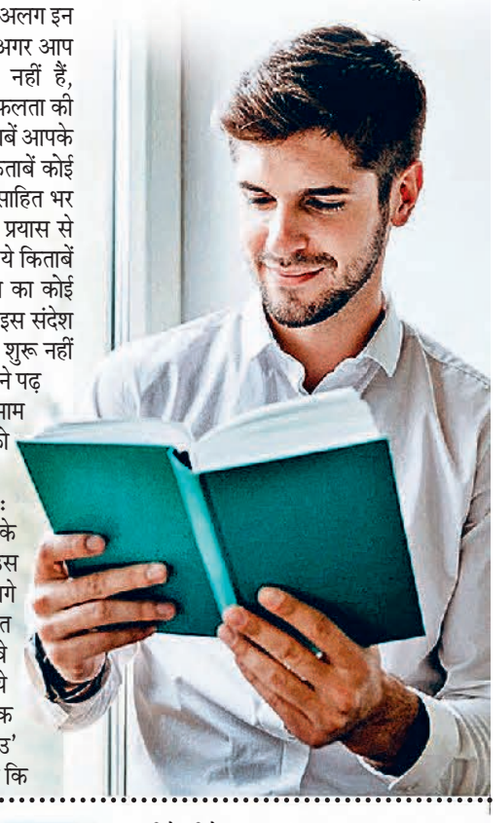

{ लघुकथा / अनीता करडेकर }

ईमानदारी का अनोखा रंग

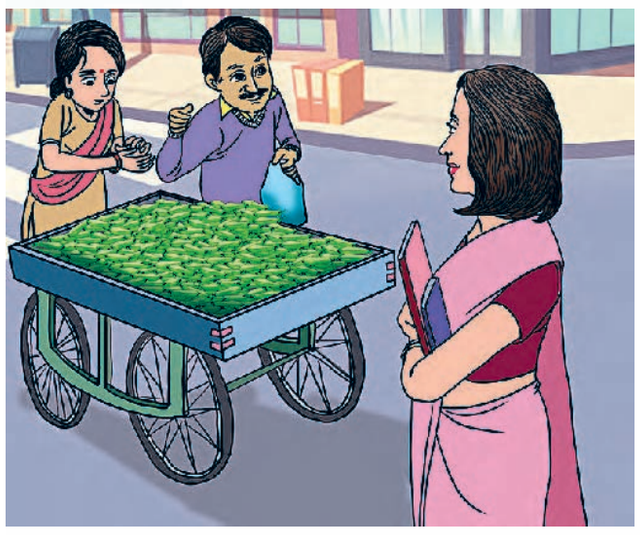

उस दिन शनिवार था। स्कूल की छुट्टी जल्दी हुई तो कविता को अगले दिन रविवार की छुट्टी की याद आई। अन्य महिलाओं की तरह वह भी सर्दियों में कई किलो मटर खरीदकर उनके दाने निकाल कर, फ्रीजर में जमा करके रखती थी, जिससे मटर का मौसम समाप्त होने के बाद भी इस सब्जी का आनंद लिया जा सके। कल रविवार का यह काम आज ही निपटा दिया जाए, यह सोचकर कविता सब्जी मंडी आ गई। सर्दियों के दिन थे। बाजार में फलों और सब्जियों की भरमार थी। थोड़ी देर इधर-उधर नजर दौड़ाते ही उसे मटर से भरा एक ठेला दिखाई दिया। पास जाकर हाथ में लेकर देखने पर जब उसे मटर की फलियां ताजी और दानों से भरी लगीं, तो उसने ठेलेवाले को चार किलो मटर तौलने को कहा।

ठेले के सामने एक और महिला खड़ी थी। ठेले वाला मटर के ढेर में से कुछ फलियां निकालकर ठेले पर रखे एक बड़े पॉलिथीन में रखता जा रहा था। उसे ऐसा करते देख कविता ने कहा, 'मुझे ऐसी छांट कर मटर नहीं चाहिए भैया, इसलिए मेरी मटर पहले तौल दीजिए, इनके लिए आराम से निकालिए।'

यह सुनकर ठेले वाला बोला, 'अरे देख नहीं रहीं बहन जी, मैं तो पिचकी फली अलग छांट रहा हूं। मैं रोज ही खाली समय में पूरे माल में से ऐसी पिचकी फलियां चुनकर अलग कर देता हूं। आखिर ग्राहक पूरे पैसे देता है तो उसे यह बिना दाने की मटर कैसे दे दूं?' कविता ने देखा उस पॉलिथीन में ढेर सारे बिना दानों की मटर की फलियां पड़ी हुई थीं। अनायास ही वह उससे पूछ बैठी, 'पूरे ठेले में से ऐसी कितनी मटर निकलती है? तुम इसका क्या करते हो?'

ठेले वाले ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, 'हर दिन डेढ़-दो किलो मटर तो हो ही जाती है। घर जाते-जाते रोड पर घूम रही गौ माता को खिला देता हूं।'

एक छोटे से विक्रेता द्वारा इतनी सहजता और ईमानदारी से स्वयं नुकसान उठाकर ग्राहकों के फायदे का विचार करना और अलग से निकाले मटर बाजार में ना फेंक कर गाय को खिलाने की बात सुनकर कविता स्तब्ध रह गई। खरीदी मटर के पैसे चुकाने के साथ कविता ने कुछ पैसे ज्यादा उस ठेले वाले को प्रशंसा के भाव से देने चाहे तो उसने विनम्रता से हाथ जोड़ लिए। घर लौटती कविता का मन आज ईमानदारी के एक अनोखे रंग से आश्चर्यचकित था। *

{ कहानी / प्रेमलता यदु }

नई शुरुआत

शिक्षक रहे सुरेश जी रिटायर हुए तो उनके पास समय ही समय था। वह ऐसा कुछ करना चाहते थे, जिससे उनका समय कुछ सार्थक ढंग से कटे। वह उनमें से नहीं बनना चाहते थे, जो रिटायरमेंट के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं। सुरेश जी ने अपने लिए ही नहीं, अपने जैसे दूसरे शिक्षकों के लिए भी सार्थक जीवन की राह बनाई। समाज के लिए कुछ करने के लिए कटिबद्ध एक शिक्षक की कहानी।

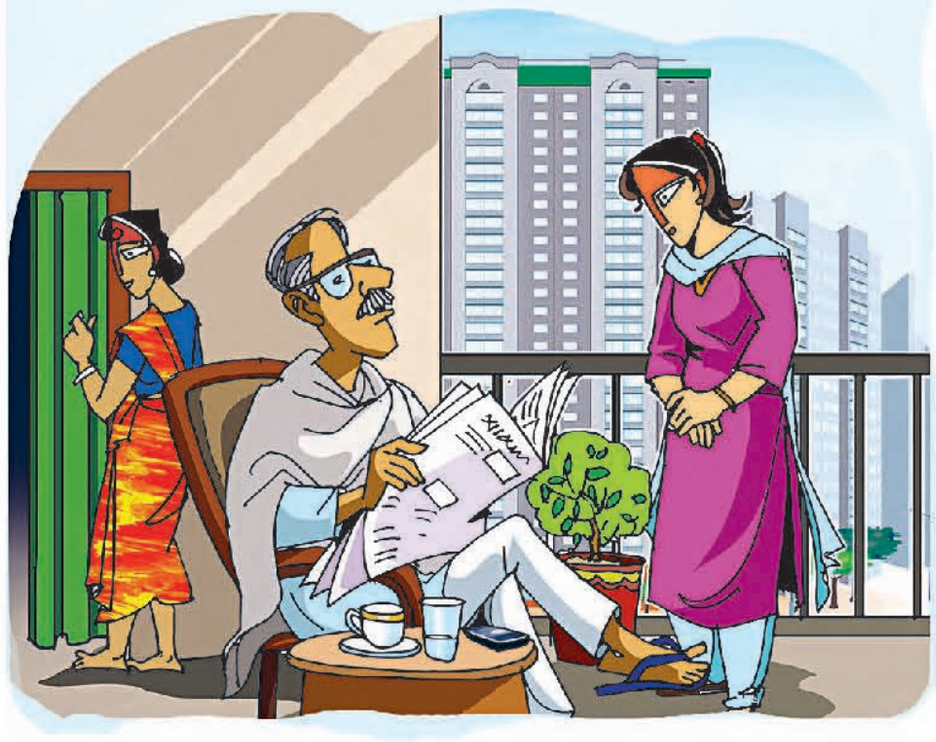

घर के बरांडे में बैठे सुरेश जी के सामने चाय का कप रखती हुई पत्नी चंद्रिका बोलीं, 'यह रही आपकी पांचवीं चाय। सुबह से लेकर अब तक आप पांच कप चाय पी चुके हैं। अखबार की खबरों पर मुझसे कई बार चर्चा भी कर चुके हैं। अब ना तो मैं चाय बनाने वाली हूं और ना ही आपकी किसी भी चर्चा में शामिल होने वाली हूं। मुझे घर के और भी कई काम हैं।'

चंद्रिका जी के ऐसा कहते ही सुरेश जी लंबी सांस भरते हुए बोले, 'अभी से तुम परेशान होने लगी हो। अभी तो मेरे रिटायरमेंट को एक महीना भी नहीं हुआ है। बाकी के दिन कैसे कटेंगे?'

ऐसा कहते वक्त सुरेश जी के चेहरे के बदलते भाव से चंद्रिका जी को यह समझने में देरी नहीं लगी कि सुरेश जी भीतर से एक बेचैनी के साथ दुखी भी हैं। इसलिए वह उनसे सरलतापूर्वक बोलीं, 'अब आपका समय और दिन ऐसे ही बीतने वाला है, रोज की भागा-दौड़ी अब नहीं रहेगी। आप भी बाकी रिटायर लोगों की तरह कोई क्लब या ग्रुप ज्वॉइन कर लीजिए। इससे आपका समय आसानी से कट जाएगा और आप बोर भी नहीं होंगे।'

चंद्रिका जी के ऐसा कहने पर सुरेश जी ने कोई जवाब नहीं दिया। बस वह थोड़ा मुस्कुराए और फिर दोबारा अखबार पढ़ने लगे। जिस व्यक्ति ने अपना सारा जीवन बच्चों को पढ़ाने, उन्हें मार्गदर्शन देने और कर्मठता से शिक्षण में बिताया हो, वो भला आज अकर्मण्य बनकर कैसे बैठे रह सकता था? हां, यह बात अलग थी कि अब सुरेश जी अपने स्कूल के शिक्षक पद से सेवानिवृत्त हो गए थे, लेकिन उनके भीतर आज भी बच्चों को पढ़ाने, उन्हें मार्गदर्शन देने और उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाने की पूर्ण योग्यता थी। किंतु इन सबका क्या फायदा...? अफसोस तो इस बात का है कि आज शिक्षा के मंदिर व्यवसाय का केंद्र बन गए हैं। जहां इतने सारे लोकलुभावन वाले कोचिंग सेंटर खुल गए हैं कि यदि सुरेश जी फ्री में भी किसी बच्चे को पढ़ाना चाहेंगे तो उस बच्चे के अभिभावक ही उनके पास पढ़ने नहीं भेजेंगे, क्योंकि चमचमाते शीशे की दीवारों के आगे सभी की आंखें चौंधियाई हुई हैं। सुरेश जी यह सोच ही रहे थे कि वह ऐसा क्या करें, जिससे उन्हें रात को सोते वक्त इस बात का सुकून मिले कि आज उनका दिन व्यर्थ नहीं गया। उन्होंने कुछ अच्छा काम किया, समाज को कुछ दिया है। तभी उनका मोबाइल बजा, फोन उनके ही एक मित्र उज्ज्वल प्रसाद जी का था। प्रसाद जी भी शिक्षक थे, जो कुछ समय पूर्व ही सेवानिवृत्त हुए थे। सुरेश जी के फोन उठाते ही प्रसाद जी उधर से बोले, 'अरे, यार सुरेश भाई, रिटायरमेंट के बाद तो पूरी दुनिया ही बदल गई है। ऐसा लगता है, जैसे हम लक्ष्यविहीन हो गए हैं, हमारे पास करने को कुछ नहीं रह गया है। इस तरह खाली बैठना किसी सजा से कम नहीं है। आप कोई उपाय निकालें, जिससे हम सभी रिटायर्ड शिक्षक फिर से अपने मनोनुकूल कार्य में सक्रिय हो जाएं।'

प्रसाद जी की बातें सुन सुरेश जी उदासी भरे शब्दों में बोले, 'अरे भाई प्रसाद जी, मैं स्वयं भी इसी चिंतन में डूबा हुआ हूं। कोई उपाय सूझते ही आपको भी सूचित करूंगा।'

इस तरह दोनों के मध्य अपनी दूसरी पारी की शुरुआत कैसे हो सकती है, इस बातचीत के पश्चात दोनों ने अपने मोबाइल रख दिए। सुरेश जी फिर एक बार अखबार को पढ़ने लगे। तभी चंद्रिका की घरेलू सहायिका कमली बड़बड़ाती हुई घर का मेनगेट खोल कर आई। उसके पीछे-पीछे उसकी सोलह-सत्तरह साल की बेटी सोना भी गिड़गिड़ाती हुई चली आ रही थी। जैसे ही कमली ने बरांडे में पैर रखे सोना बोली, 'अम्मा रुक ना, मेरी बात तो सुन..।'

कमली गुस्से से पलटी और बोली, 'देख, मुझे कुछ नहीं सुनना। मैं तुझे एक फूटी कौड़ी नहीं देने वाली हूं, समझी। अब तू जा यहां से मेरे पीछे-पीछे मत आ।'

कमली को इस तरह अपनी बेटी को फटकार लगाता देख सुरेश जी बोले, 'क्यों कमली क्या हुआ..., क्यों इस बेचारी पर भड़क रही है?'

सुरेश जी को अपना दुखड़ा सुनाते हुए कमली बोली, 'देखो ना बाबू जी, यह कोचिंग क्लास के लिए रुपए मांग रही है। आप तो जानते ही हैं, आजकल पढ़ाई कितनी महंगी हो गई है। अब इस छोरी की पढ़ाई में पैसे फूंक दूंगी तो अपने छोरे की पढ़ाई के लिए रुपए कहां से लाऊंगी।'

कमली के ऐसा कहने पर सुरेश जी बोले, 'लेकिन तू तो कह रही थी कि तेरा बेटा पढ़ाई में ध्यान नहीं देता है।'

'हां बाबू जी, वो तो ध्यान नहीं देता है पर मुझे तो ध्यान देना पड़ेगा ना। छोरी तो पराई होवे है, कल को ब्याह कर अपने घर चली जाएगी। काम तो बेटा ही आवेगा ना।' कमली तुरंत बोली। कमली की बातें सुन सुरेश जी को बड़ा अफसोस हुआ। एक ही कोख से जन्मे बच्चों में जब मां ही फर्क करती है तो फिर समाज तो फर्क करेगा ही। यह सब सुनने के बाद भी सोना वहीं खड़ी रही, यह देख कमली दोबारा उस पर चिल्लाती हुई बोली, 'अब जा ना यहां से, खड़ी क्यों है?' यह कहती हुई कमली अंदर चली गई और सोना मुंह उतारे वहां से जाने लगी।

तभी सुरेश जी बोले, 'सोना रुक...।'

सोना रुक गई। सुरेश जी ने उसे पास बुलाया तो वह उनके करीब आकर हाथ बांध कर खड़ी हो गई। सुरेश जी बोले, 'कोचिंग क्लास क्यों जाना चाहती है?'

सुरेश जी के ऐसा पूछने पर सोना थोड़ी अटकती हुई बोली, 'वो दसवीं का ओपन परीक्षा देना है, विज्ञान और गणित का विषय थोड़ा कठिन लगता है। बाकी विषय की भी तैयारी करनी है।' सोना का जवाब सुन सुरेश जी मुस्कुराए फिर बोले, 'एक हफ्ते बाद रोज यहां पढ़ने आ जाना।'

सुरेश जी के ऐसा कहने पर सोना खुश होते हुए बोली, 'क्या आप सभी विषय पढ़ाएंगे?'

सुरेश जी हंसते हुए बोले, 'मैं केवल गणित पढ़ाऊंगा बाकी का विषय दूसरे शिक्षक पढ़ाएंगे।'

इतना सुनते ही सोना का चेहरा खुशी से खिल उठा और वह 'जी अच्छा मैं रोज पढ़ने आ जाऊंगी' कहती हुई जाने लगी तो सुरेश जी बोले, 'सुन... तेरी तरह और भी जितनी लड़कियां पढ़ना चाहती हैं, उन सभी से कह देना कि वे सब मुझसे आ कर मिल लें।'

'जी अच्छा।' कह कर सोना वहां से चली गई।

सुरेश जी को अपना नया लक्ष्य मिल गया। अब वो अपने नए काम की नई शुरुआत सोना और उसके जैसी दूसरी बालिकाएं, जो आगे पढ़ना तो चाहती हैं लेकिन हालात, मजबूरी और अपने ही घर में पक्षपात की शिकार हैं, उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में पंख पसारने का अवसर देने का लक्ष्य तय कर बालिकाओं की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था में जुट गए। *

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com